राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,08 जनवारी–2023 वर्ष–5,अंक–342 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

26 जनवरी परेड में क्या दिखाना चाहती थी बघेल सरकार, रिजेक्ट हो गई झांकी; भाजपा-कांग्रेस में जंग

रायपुर। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर इस बार छत्तीसगढ़ की झांकी नहीं दिखेगी। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार मिलेट मिशन पर आधारित झांकी तैयार कर दिखाना चाहती थी लेकिन इस झांकी का चयन नहीं हो पाया है। छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन ना होने पर राज्य के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने इसे साजिश बताया है। इस मामले को लेकर बीजेपी ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधा है। मामले पर कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाया है। संस्कृति मंत्री भगत के साजिश वाले बयान के बाद बीजेपी ने के सांसद ने जवाब दिया है। बीजेपी विधायक सुनील सोनी ने कहा कि राज्य की धरोहर और संस्कृति को बताने के लिए बहुत से विषय थे लेकिन मिलेट्स मिशन पर झांकी बनाई गई, जो पूरे देश में प्रचलित है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के मंत्रियों को हर मामले में केंद्र पर आरोप लगाने की आदत हो गई है।

कांग्रेस ने पक्षपात का लगाया आरोप–गणतंत्र दिवस के मौके पर छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन ना होने पर कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। भूपेश बघेल सरकार में संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि गणतंत्र दिवस के मौके पर मिलेट मिशन वाली झांकी को अवसर मिलेगा लेकिन नहीं मिला, जिन लोगों ने राज्य की झांकी को अपात्र किया ये उनकी पक्षपात वाली मानसिकता को दर्शाता है। मिलेट मिशन वाली झांकी के गणतंत्र दिवस के मौके पर चयन ना होने को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर भापजा ने जवाब दिया है। भाजपा सांसद सुनील सोनी ने कहा कि कांग्रेस के मंत्रियों को केंद्र सरकार पर आरोप लगाने की आदत हो गई है। बंसल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की इतनी वृहद संस्कृति है कि किसी भी विषय पर झांकी बनाई जा सकती है। उन्होंने कई विषयों के नाम भी बताए।

कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद भाजापा सांसद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार को सलाह दे डाली। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति इतनी वृहद है, हम किसी भी विषय पर झांकी बना सकते थे। उन्होंने बस्तर और सरगुजा पर भी झांकी बनाने की सलाह दी।

हरियाणा में भारत जोड़ो यात्रा, करनाल में एमएलए किरण चौधरी को फिसलने से चोट लगी

राहुल गांधी ने पुलिस डॉग घुमाया

करनाल। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार यानी आज करनाल में चल रही है। यात्रा गांव कोहंड से सवा 2 घंटे की देरी से शुरू होकर कुटैल पहुंच चुकी है। यहां पर लंच ब्रेक चल रहा है। इसके बाद दोपहर 3 बजे फिर से यात्रा मधुबन से शुरू होगी। इससे पहले राहुल गांधी बीच में एक कबड्डी मैच में भी हिस्सा लेंगे। सुबह करीब साढ़े 10 बजे यात्रा परल में एक ढाबा पर टी ब्रेक के लिए रुकी, जहां पर राहुल गांधी ने कड़ाके की ठंड में चाय की चुस्की के साथ लोगों से चर्चा की। यात्रा के दौरान राहुल गांधी डॉग लव भी नजर आया। पुलिस की डॉग स्क्वायड उनकी सुरक्षा के लिए पहुंची तो वह मधुबन पुलिस के स्मार्ट डॉग को पकड़कर चलने लगे।

इसी दौरान यात्रा में चलते हुए हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता MLA किरण चौधरी को चोट लग गई। वह यात्रा में चलते वक्त फिसल गई। जिन्हें तुरंत उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पैर फिसलने से जख्मी किरण चौधरी

बसताड़ा टोल पर किसानों से मिले–राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान बसताड़ा टोल प्लाजा पर पिछले कई दिनों से गन्ने के उचित भाव की मांग को लेकर धरने पर बैठे किसानों से मुलाकात की। करीब 2 मिनट तक राहुल किसानों के बीच रहे। इस दौरान उनसे किसानों से जुड़े मुद्दों पर बात की। किसान समय सिंह संधू ने बताया कि उन्होंने राहुल गांधी के सामने अपनी दो मांगे रखी है। इसमें एक गन्ने का उचित भाव व दूसरी एमएसपी की गारंटी। राहुल गांधी ने दोनों मांगों को पूरा कराने का आश्वासन दिया। किसानों ने बसताड़ा टोल प्लाजा पर पिछले साल हुए लाठीचार्ज की भी जानकारी राहुल गांधी को दी। राहुल ने यात्रा की शुरूआत बच्चों से मुलाकात के साथ की। करनाल में राहुल गांधी 24 किमी पैदल यात्रा करेंगे। बीच में वह एक कबड्डी मैच में भी हिस्सा लेंगे।

यात्रा के चलते देश के सबसे व्यस्ततम दिल्ली-जम्मू हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि अब जाम खुल गया है।

पहले राहुल गांधी 6 बजे यात्रा शुरू कर देते थे, लेकिन पानीपत के बाद लगातार दूसरे दिन करनाल में भी देरी से यात्रा शुरू हुई है। असल में राहुल गांधी अपनी बीमार मां से मिलने कल रात को दिल्ली लौट गए थे। दूसरे दिन की यात्रा ने 8 किलोमीटर का सफर तय कर लिया है। दोपहर 12 बजे यात्रा का कुटैल टोल प्लाजा पर लंच ब्रैक होगा।

बच्चों से मुलाकात की, बैस्ट ऑफ लक कहा

राहुल गांधी ने यात्रा के दूसरे दिन सबसे पहले बच्चों से मुलाकात की। दीक्षा नाम की एक छात्रा तो उनसे राजस्थान के कोटा में भी मिलने पहुंची थी, लेकिन मुलाकात नहीं हुई। आज उनके ग्रुप में शामिल सभी बच्चों से ना केवल राहुल गांधी ने मुलाकात की, बल्कि टॉफी भी दी और उनका हालचाल जाना।

अभद्र टिप्पणी पर सिद्धारमैया की सफाई, कहा

‘मेरा इरादा सीएम बोम्मई का अपमान करना नहीं था’

हुबली। कर्नाटक में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर की गई टिप्पणी को लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मैंने उन पर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की थी। इसे गलत समझा गया है। मेरा इरादा सीएम का अपमान करना नहीं है। मैंने उन्हें कहा कि उनमें राष्ट्रीय नेताओं के सामने बोलने का साहस होना चाहिए। राज्य की बेहतरी के लिए उन्हें संघ के नेताओं से डटकर बात करनी चाहिए। बहादुर होकर काम करना चाहिए। अपनी सफाई में सिद्धारमैया ने आगे कहा कि वे भी मुझे तगारू (भेड़) और हुली (बाघ की तरह) कहते हैं, क्या इसे भी अपमान माना जाएगा? ग्रामीण क्षेत्रों में जानवरों और पेड़ों की तुलना आम है और मैंने उस संदर्भ में वह बात कही थी।

‘मैं हिंदू विरोधी कैसे हो सकता हूं’– सिद्धारमैया

सिद्धारमैया ने अपनी सफाई में आगे कहा कि जब मैं हिंदू हूं तो मैं हिंदू विरोधी कैसे हो सकता हूं? मैं हिंदू हूं लेकिन मैं हिंदुत्व का विरोध करता हूं। मैं हिंदुत्व के नाम पर राजनीति करने का विरोध करता हूं। संविधान में यह उल्लेख किया गया है कि सभी धर्म समान हैं। कर्नाटक में आगामी चुनाव को देखते हुए जुबानी जंग तेज हो गई है और इसी को देखेत हुए सिद्धारमैया ने सीएम बोम्मई और अन्य नेताओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी की थीं। उन्होंने कहा था की ये सभी नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने कांपते हैं।

सिद्धारमैया ने की थी अभद्री टिप्पणी–पूर्व सीएम व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने अपने बयान में कहा था कि कर्नाटक के सभी नेता प्रधानमंत्री के सामने कांपते हैं। इससे पहले, जेडीएस नेता व कर्नाटक के सीएम एचडी कुमारस्वामी ने गृह मंत्री अमित शाह को लेकर एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने अमित शाह की तुलना नाजी प्रचारक जोसेफ गोएबल्स से कर दी थी, जो प्रोपेगेंडा करता था।

नफरत की जमीन पर राम मंदिर का निर्माण, पत्थरों में भगवान में नहीं किया जा सकता कैद

पटना। आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने राम मंदिर निर्माण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण नफरत की जमीन पर हो रहा है। साथ ही कहा कि हम हे राम में विश्वास करते हैं. जय श्रीराम में नहीं. हमारे हृदय में राम हैं, पत्थर के आलीशान मंदिरों में नहीं। जगदानंद सिंह ने कहा कि श्री राम ना तो अयोध्या में हैं, और ना ही लंका में, बल्कि श्री राम तो आज भी शबरी की कुटिया में मौजूद हैं।

इतना ही नहीं जगदानंद ने कहा कि राम मंदिर घृणा की भूमि पर बन रहा है। राम को एक शानदार महल में कैद नहीं किया जा सकता है। गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए जगदानंद ने ने पूछा कि क्या भगवान राम अब लोगों के दिलों से दूर मंदिरों में विराजमान हैं। क्या राम अब केवल मंदिर के होंगे ? क्या

राम अब देश के नहीं होंगे? भारत में राम को लोगों के दिलों से छीनकर पत्थरों से बनी आलीशान इमारत में नहीं बिठाया जा सकता है?

त्रिपुरा में एक रैली को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि कांग्रेस ने अदालतों में राम मंदिर के निर्माण में बाधा डाली। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद, मोदीजी ने मंदिर का निर्माण शुरू किया। पीएम मोदी ने भूमि पूजन किया और मंदिर का निर्माण शुरू किया।

उन्होंने 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान अपनी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। और कहा कि 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहते थे कि ÷मंदिर वही बनाएंगे...तारीख नहीं बताएंगे÷। आज राहुल गांधी और सभी को यह सुनना चाहिए कि 1 जनवरी, 2024 को अयोध्या में लोगों के लिए एक विशाल और आसमान छूता मंदिर तैयार होगा। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी थी और तभी से मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है।

‘बिना लाइसेंस के चाइनीज खिलौनों का होता है आयात, चॉकलेट के नाम पर भेजे जाते हैं खिलौने’

नई दिल्ली। पिछले दो सालों में लगभग 160 से ज्यादा चाइनीज खिलौना निर्माताओं ने भारतीय मानक ब्यूरो से बीआईएस सर्टिफिकेशन मार्क के लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। हालांकि, अब तक किसी भी निर्माता को बीआईएस लाइसेंस नहीं दिया गया है।

बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, ÷आज तक किसी भी चीनी खिलौना निर्माता को बीआईएस लाइसेंस नहीं दिया गया है।÷ इस बात की जानकारी बीआईएस के 76वें स्थापना दिवस के दौरान आयोजित कार्यक्रम में कही गई।

चाइनीज खिलौना कंपनी ने लाइसेंस के लिए नहीं किया अप्लाई

प्रमोद तिवारी ने कहा, ÷किसी भी चाइनीज कंपनी को इस बात की अनुमति नहीं है कि वो भारत में चीन से खिलौने लेकर आए। साथ ही 1 जनवरी, 2021 में यह अनिवार्य कर दिया गया था कि चीन से खिलौना लाने के लिए चीनी कंपनियों को लाइसेंस लेना होगा लेकिन उसके

बाद से अब तक किसी भी चाइनीज खिलौना कंपनी ने लाइसेंस के लिए अप्लाई नहीं किया है।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अधिकारियों ने बताया कि ब्यूरो के अधिकारियों ने कई बार एयरपोर्ट और मॉल में खिलौनों की दुकानों पर छापेमारी भी की है। एक सवाल का जवाब देते हुए प्रमोद तिवारी ने कहा, अगर आप किसी भी खिलौना विक्रेता को चाइनीज खिलौना बेचते हुए देखते हैं तो बीएसआई से इसकी शिकायत कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर किसी को भी ऐसा कोई खिलौना दिखता है जिसपर 'Made In China' लिखा हो तो भी वो तुरंत बीएसआई को इसकी शिकायत कर सकते हैं और इसके बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कई जगह की गई है छापेमारी

उन्होंने कहा, हमने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरू के हवाईअड्डों और देश भर के अन्य कई प्रमुख हवाईअड्डों की दुकानों पर तलाशी शुरू की थी। अपनी जांच के दौरान हमने कई मॉलों में भी तलाशी ली है। यह तलाशी इस पूरे महीने जारी रहेगी।

महानिदेशक तिवारी ने बताया कि इस छापेमारी के दौरान बीआईएस को चीन में बने खराब खिलौने मिले। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि भारत में चीन से खिलौने की तस्करी में कुछ लोग शामिल है। तिवारी ने बताया कि ऐसे भी कई मामले सामने आए हैं जिसमें चीन से खिलौने भारत चॉकलेट के नाम पर आयात किए जा रहे हैं।

29 विदेशी कंपनियों के पास है लाइसेंस

आपको बता दें, बीआईएस ने भारत में 982 घरेलू निर्माताओं को यह लाइसेंस दिया है। इसके साथ ही 29 विदेशी निर्माताओं को भी लाइसेंस दिया गया है जिसमें वियतनाम, श्रीलंका, चेकोस्लोवाकिया आदि के निर्माता शामिल हैं। विदेशों को दिए गए 29 लाइसेंसों में से 14 लाइसेंस वियतनाम की कंपनियों के पास हैं।

जोशीमठ धंस रहा, लेकिन तबाही का प्रोजेक्ट जारी

कागजों में सुरंग-बाईपास का काम बंद, हकीकत में बड़ी मशीनें पहाड़ खोद रहीं

जोशीमठ। उत्तराखंड के जोशी मठ में जमीन धंस रही है। 561 घरों में दरारें आ गई हैं। इसके बावजूद NTPC के हाइडल प्रोजेक्ट की सुरंग और चार धाम ऑल-वेदर रोड (हेलंग-मारवाड़ी बाइपास) का काम रोका नहीं गया है। ये हाल तब है, जब सरकार ने इन पर तत्काल रोक लगा दी थी। इसके बाद कागजों पर काम बंद हो गया, लेकिन मौके पर बड़ी मशीनें लगातार पहाड़ खोद रही हैं। इधर, जोशीमठ में लगातार भूजल रिसाव हो रहा है। हालात बदतर होते जा रहे हैं। 50 हजार की आबादी वाले शहर का दिन तो कट जाता है, लेकिन रात ठहर जाती है। लोग कड़ाके की ठंड में घर के बाहर रहने को मजबूर हैं। उन्हें डर लगा रहता है

● ये हाल तब है, जब सरकार ने इन पर तत्काल रोक लगा दी थी। इसके बाद कागजों पर काम बंद हो गया, लेकिन मौके पर बड़ी मशीनें लगातार पहाड़ खोद रही हैं। इधर, जोशीमठ में लगातार भूजल रिसाव हो रहा है। हालात बदतर होते जा रहे हैं।

कि घर कभी भी ढह सकता है। सबसे ज्यादा असर जोशीमठ के रविग्राम, गांधीनगर और सुनील वार्डों में है। यह शहर 4,677 वर्ग किमी में फैला है।

शिमला-मसूरी से भी ज्यादा ठंडी दिल्ली, राजधानी में कोहरे की वजह से 100 फ्लाइट्स डिले

नई दिल्ली। देशभर में शीतलहर जारी है। राजधानी दिल्ली के कई जगहों पर पहाड़ी इलाकों से नीचे पारा चला गया। शिमला, मसूरी से भी ज्यादा ठंडा दिल्ली रहा। आयानगर में न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि शिमला में 3.7, मसूरी में 4.4 डिग्री सेल्सियस रहा। कोहरे की वजह से 100 फ्लाइट्स डिले हुईं। इधर, देश के 10 सबसे सर्द रात वाले शहरों में मध्यप्रदेश के 4 दर्ज किए गए हैं। छतरपुर का नौगांव देश का दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा। यहां रात का तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। IMD के मुताबिक, पहाड़ी इलाकों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर देखने को मिलेगा।जम्मू, हिमाचल और उत्तराखंड में आज बर्फबारी और हल्की बारिश हो सकती है।

राजस्थान के 11 शहरों में घने कोहरे और

कोल्ड-वेव की वजह से दिन का तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। पिछले एक सप्ताह से राजस्थान में कोल्ड-डे की स्थिति बनी है। घने कोहरे और कोल्ड-वेव के चलते शुक्रवार को हनुमानगढ़, गंगानगर में दिन का पारा सिंगल डिजिट में

● आयानगर में न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि शिमला में 3.7, मसूरी में 4.4 डिग्री सेल्सियस रहा। कोहरे की वजह से 100 फ्लाइट्स डिले हुईं। इधर, देश के 10 सबसे सर्द रात वाले शहरों में मध्यप्रदेश के 4 दर्ज किए गए हैं। छतरपुर का नौगांव देश का दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा।

ऊपर नहीं गया। इन दोनों शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 4.9 सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि 15 जनवरी से जो हवाएं चलेंगी उससे एक बार फिर राजस्थान के कई शहरों में पारा जमाव बिंदु या उससे भी नीचे चला जाएगा।

फ्लाइट में महिला यात्री के ऊपर पेशाब करने वाला शंकर मिश्रा बेंगलुरु से गिरफ्तार

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट में सफर के दौरान महिला यात्री के ऊपर कथित तौर पर पेशाब करने मामले में आरोपी शंकर मिश्रा को दिल्ली पुलिस की टीम ने शनिवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के लिए उसे दिल्ली लाया गया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, अमेरिका के न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान में सफर के दौरान एक बुजुर्ग महिला पर पेशाब करने के आरोपी शंकर मिश्रा को एयरपोर्ट पुलिस ने बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है। वह बीते 48 घंटे से पुलिस से बचने के लिए भाग रहा था। पुलिस उसे बेंगलुरु की एक अदालत में पेश करने के बाद दिल्ली ला रही है, जहां उससे पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ की जाएगी। एयरपोर्ट डीसीपी रवि कुमार सिंह ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

एयर इंडिया ने एक महीने तक मामले को दबाए रखा था

बता दें कि, यह घटना बीते 26 नवंबर को न्यूयार्क से दिल्ली आ रहे विमान में घटित हुई थी। 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने एयर इंडिया को दिए गए बयान में कहा था कि पास की सीट पर बैठे एक युवक ने नशे की हालत में उनके ऊपर पेशाब कर दिया था। उन्होंने विमान कंपनी पर भी सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया था। लगभग 1 महीने तक एयर इंडिया द्वारा इस मामले की जानकारी

पुलिस को नहीं दी गई थी। हाल ही में पुलिस को इस घटना के बारे में बताया गया जिसके बाद महिला द्वारा दिए गए बयान पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।

सुनील शेट्टी ने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ से बॉयकॉट ट्रेंड खत्म करने में मांगी मदद, कहा- हम दिन भर ड्रग्स नहीं करते

इस मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस टीम जब मुंबई छापेमारी करने पहुंची तो पता चला कि शंकर मिश्रा बेंगलुरु में है। वह एक अमेरिकन कंपनी में नौकरी करता है। उसने अपना मोबाइल भी स्विच ऑफ कर लिया था। इसके बाद पुलिस की टीम उसकी कंपनी पहुंची जहां पूरी घटना के बारे में जानकारी मिलने पर कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया था। दिल्ली पुलिस की टीम ने फिलहाल बेंगलुरु से उसे गिरफ्तार कर लिया है और उसे आगे की जांच में शामिल करने के लिए दिल्ली लाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

इन धाराओं में हुआ केस दर्ज

दिल्ली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 509 (शब्द, इशारा या किसी महिला की लज्जा का अपमान करने का इरादा), 510 (नशे में व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक रूप से दुराचार), 294 (किसी भी सार्वजनिक स्थान पर अश्लील हरकत) और 354 (छेड़छाड़) और विमान अधिनियम के 23 के तहत मामला दर्ज किया था। एयर इंडिया ने 28 दिसंबर को इस घटना के बारे में दिल्ली पुलिस को सूचित किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शिक्षा में विदेशी दखल- इसके खतरे भी हैं ?

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग ने एक जबर्दस्त नई पहल की है। उसने दुनिया के 500 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के लिए भारत के दरवाजे खोल दिए हैं। वे अब भारत में अपने परिसर स्थापित कर सकेंगे। इस साल भारत के लगभग 5 लाख विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने के लिए पहुंच चुके हैं। विदेशी पढ़ाई भारत के मुकाबले कई गुनी मंहगी है। भारत के लोग अपनी कड़ी मेहनत की करोड़ों डॉलरों की कमाई भी अपने बच्चों की इस पढ़ाई पर खर्च करने को मजबूर हो जाते हैं। इन लाखों छात्रों में से ज्यादातर छात्रों की कोशिश होती है कि विदेशों में ही रह जाएं और वहां रहकर वे मोटा पैसा बनाएं। भारत से प्रतिभा पलायन का यह मूल स्त्रोत बन जाता है। अब जबकि विदेशी विश्वविद्यालय भारत में खुल जाएंगे तो निश्चय ही यह प्रतिभा-पलायन घटेगा और देश का पैसा भी बचेगा। इसके अलावा वि.वि.अ. आयोग की मान्यता है कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा-पद्धतियां भारत में प्रारंभ हो जाएंगी जिसका लाभ हमारे पड़ौसी देशों के विद्यार्थी भी उठा सकेंगे। इन सब लाभों की सूची तो ठीक है लेकिन क्या हमारे शिक्षाशास्त्रियों ने इस मामले के दूसरे पहलू पर भी विचार किया है? इसके दूसरे पहलू का सबसे पहला बिंदु यह है कि भारत में चल रहे विश्वविद्यालयों का क्या होगा? ये विश्वविद्यालय पिछले डेढ़-दो सौ साल से अंग्रेजों और अमेरिकियों के नकलची बने हुए हैं? क्या वे ठप्प नहीं हो जाएंगे? जिन माता-पिताओं के पास पैसे होंगे वे अपने बच्चों को हमारे भारतीय विश्वविद्यालयों में क्यों पढ़ाएगें? वे सब विदेशी विश्वविद्यालयों के पीछे दौड़ेंगे। दूसरा इन विदेशी विश्वविद्यालयों को शुल्क पाठ्यक्रम प्रवेश-नियम और अध्यापकों की नियुक्ति में पूर्ण स्वायत्तता होगी। वे भारत के हित की बात पहले सोचेंगे या अपने देश के हित की बात? तीसरा क्या अब हमारे देश में इस नई शिक्षा-व्यवस्था के कारण युवा-पीढ़ी में ऊँच-नीच का भेदभाव नहीं पैदा हो जाएगा? चौथा हमारे देश की सारी शिक्षा-व्यवस्था क्या तब पूर्ण नकलची बनने की कोशिश नहीं करेगी? पांचवाँ विदेशी शिक्षा-संस्थाओं में पढ़ाई का माध्यम क्या होगा? क्या वे भारतीय भाषाओं को माध्यम बनने देंगे? कतई नहीं। उसका नतीजा क्या होगा? प्रतिभा-पलायन रुक नहीं पाएगा। छठा इस भाजपा सरकार को बने आठ साल हो गए लेकिन नई शिक्षा-नीति किसी कागजी शेर की तरह खाली-पीली दहाड़ मारती रहती है। उसमें किसी भारतीयता या मौलिकता का समावेश अभी तक नहीं हुआ है। जब तक सर्वोच्च अध्ययन और अनुसंधान भारतीय भाषाओं के जरिए नहीं होगा और अंग्रेजी का एकाधिकार समाप्त नहीं होगा यह नई पहल काफी नुकसानदेह साबित हो सकती है।

साफ पानी के नये स्रोतों की तलाश

सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के प्रोफेसर प्रवीण कुमार के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में दुनिया के 14 ऐसे क्षेत्रो का मूल्यांकन किया गया है जहां जल संकट बना रहता है। अध्ययन में समुद्र के ऊपर से जल वाष्प को पकड़ने और इसे ताजे पानी में बदलने के लिए एक काल्पनिक संरचना की व्यवहार्यता का भी आकलन किया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि निरंतर जलवायु परिवर्तन की स्थिति में भी इस नए जल स्रोत का उपयोग संभव होगा।

मुकुल व्यास

पृथ्वी पर ताजा पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं है और आने वाले वर्षों में पानी की स्थिति और भी बदतर हो जाएगी। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वैज्ञानिकों को इस जीवनदायी तरल के नए स्रोत खोजने होंगे क्योंकि स्वच्छ पानी के मौजूदा स्रोतों और रिसाइकलिंग से प्राप्त पानी से मानव जरूरतें पूरी नहीं होंगी। जलवायु परिवर्तन के अनुमानों के अनुसार शुष्क क्षेत्र और सूख जाएंगे और आर्द्र क्षेत्र अधिक आर्द्र हो जाएंगे। पानी की कमी का सामना करने वाले मौजूदा क्षेत्रों में भविष्य में और भी अधिक सूखे पड़ेंगे, जिससे समस्या और गंभीर हो जाएगी। दुनिया के विज्ञानी स्वच्छ जल के संकट की गंभीरता से वाकिफ हैं और वे इसके नए स्रोत खोजने में जुट गए हैं। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने मीठे पानी के अप्रयुक्त स्रोतों का दोहन करने के लिए नई संरचनाओं का प्रस्ताव रखा है। इलिनॉय विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि ताजे पानी की असीमित आपूर्ति पृथ्वी के महासागरों के ऊपर जल वाष्प के रूप में मौजूद है। फिर भी अभी तक इसका दोहन नहीं किया जा सका है। सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के प्रोफेसर प्रवीण कुमार के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में दुनिया के 14 ऐसे क्षेत्रो का मूल्यांकन किया गया है जहां जल संकट बना रहता है। अध्ययन में समुद्र के ऊपर से जल वाष्प को पकड़ने और इसे ताजे पानी में बदलने के लिए एक काल्पनिक संरचना की व्यवहार्यता का भी आकलन किया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि निरंतर जलवायु परिवर्तन की स्थिति में भी इस नए जल स्रोत का उपयोग संभव होगा। प्रो. प्रवीण कुमार ने कहा कि हमें लगता है कि हमारा नया प्रस्तावित तरीका बड़े पैमाने पर ऐसा कर सकता है। यह पहला अध्ययन है जिसमें दुनिया के विभिन्न स्थानों में ताजे पानी की सीमित आपूर्ति के समाधान के रूप में समुद्री जल वाष्प के दोहन में सक्षम नए बुनियादी ढांचे में निवेश का सुझाव दिया गया है। पानी की कमी एक वैश्विक समस्या है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में कोलोराडो नदी घाटी में घटते जल स्तर से समूचा पश्चिमी अमेरिका प्रभावित है। गर्म क्षेत्रों के समुद्रों में लगातार पानी का वाष्पीकरण हो रहा है क्योंकि पूरे वर्ष बादलों का बहुत कम आवरण होने के कारण अधिक सौर विकिरण होता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, क्लाउड सीडिंग और खारे पानी को मीठा करने की तकनीकों को केवल सीमित सफलता मिली है। खारे पानी को मीठा करने के लिए दुनिया के कुछ क्षेत्रों में स्थापित किए गए संयंत्रों को नमकीन और भारी धातु से भरे अपशिष्ट जल के कारण स्थायित्व के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। कैलिफोर्निया ने हाल ही में इस तरह के नए संयंत्रों को जोड़ने के उपायों को खारिज कर दिया है। शोधकर्ताओं ने 210 मीटर चौड़ी और 100 मीटर ऊंची काल्पनिक अपतटीय संरचनाओं की तैनाती का वायुमंडलीय और आर्थिक विश्लेषण किया है। अपने विश्लेषण के माध्यम से शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि दुनिया में पानी की कमी वाले क्षेत्रों में समुद्र की सतहों पर नमी को पकड़ना संभव है। प्रस्तावित संरचनाओं से अनुमानित जल उत्पादन से बड़ी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छ जल की आपूर्ति की जा सकती है। इस अध्ययन में शामिल शोधकर्ता अफीफा रहमान ने कहा कि जलवायु अनुमानों से पता चलता है कि समुद्री वाष्प प्रवाह समय के साथ और बढ़ेगा और इससे अधिक ताजे पानी की आपूर्ति होगी। इस बीच, हमारे ग्रह की सतह पर मौजूद पानी के पर्यवेक्षण के लिए गत 16 दिसंबर को स्वोट मिशन को पृथ्वी की निम्न कक्षा में भेजा गया है। नासा और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी के इस मिशन में कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी और ब्रिटिश अंतरिक्ष एजेंसी का भी योगदान है। स्वोट पहली बार पृथ्वी की सतह पर मौजूद लगभग समस्त जल का सर्वेक्षण करेगा। इस ग्रह पर जीवन के लिए पानी जरूरी है। लेकिन यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन द्वारा पृथ्वी के वायुमंडल में फंसी अतिरिक्त गर्मी और कार्बन को संगृहीत करने तथा स्थानांतरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमारे मौसम और जलवायु को भी प्रभावित करता है। स्वोट मिशन शोधकर्ताओं को यह पता लगाने में मदद करेगा कि आज पानी कहां है, कहां से आ रहा है और कल कहां होगा। हमारे लिए यह जानना जरूरी है कि जल संसाधन कैसे बदल रहे हैं और इन परिवर्तनों का स्थानीय पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। तीन साल के मिशन में स्वोट उपग्रह पृथ्वी की 90 प्रतिशत से अधिक सतह पर स्वच्छ पानी के जलाशयों और समुद्रों में मौजूद पानी की ऊंचाई को मापेगा। इस डेटा से यह जानने में मदद मिलेगी कि समुद्र जलवायु परिवर्तन को कैसे प्रभावित करता है। कैसे एक गर्म दुनिया झीलों, नदियों और जलाशयों को प्रभावित करती है और लोग किस तरह बाढ़ जैसी आपदाओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकते हैं। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि मानव जाति जलवायु परिवर्तन के कारण गर्म समुद्र, विषम मौसम और जंगलों की आग में वृद्धि का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है और स्वोट मिशन लंबे समय से प्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी का नतीजा है। इससे लोगों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना करने के लिए तैयार किया जा सकेगा। नासा के पृथ्वी विज्ञान विभाग के निदेशक करेन सेंट जर्मेन ने कहा कि यह उपग्रह दर्शाता है कि हम किस प्रकार विज्ञान और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से पृथ्वी पर जीवन में सुधार कर रहे हैं। उपग्रह से मिलने वाला डेटा यह समझने के लिए आवश्यक है कि पृथ्वी की हवा,पानी और पारिस्थितिक तंत्र कैसे परस्पर क्रिया करते हैं और लोग हमारे बदलते ग्रह पर कैसे नई परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। स्वोट मिशन द्वारा प्रदान किए जाने वाले कई लाभों में से पृथ्वी के ताजे पानी के जलाशयों की स्पष्ट तस्वीर होगी। यह दुनिया की 15 एकड़ (62,500 वर्ग मीटर) से बड़ी 95 प्रतिशत से अधिक झीलों और 100 मीटर से अधिक चौड़ी नदियों के बारे में डेटा प्रदान करेगा। स्वोट तटों के पास समुद्र के स्तर की भी जानकारी प्रदान करेगा। यह डेटा दीर्घावधि में शोधकर्ताओं को समुद्र के स्तर में वृद्धि को बेहतर ढंग से ट्रैक करने में मदद कर सकता है। यह सब जानकारियां इसलिए भी जरूरी हैं क्योंकि जल स्तर में वृद्धि सीधे तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और तटीय पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करेगी।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

आज का राशिफल

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

भाजपा की मुश्किलें बढ़ाएगी उमा की नाराजगी

राज्यनामा/मध्य प्रदेश/ हेमंत पाल

मध्य प्रदेश में भाजपा को इस बार के विधानसभा चुनाव में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। यह पार्टी लंबे समय से सरकार में है, इसलिए एंटी कंबेंसी तो स्वाभाविक है। ऐसी सरकार से लोग उम्मीद भी करते हैं और नाउम्मीद भी जल्दी होते हैं। इसके अलावा और जो चुनौतियां है, उनमें सिंधिया गुट के लोगों और मूल भाजपा के लोगों में आंतरिक खींचतान भी एक है। जहां से सिंधिया गुट के लोग चुनाव लड़ेंगे, वहां सेबोटेज से इंकार नहीं किया जा सकता। लेकिन, इससे भी बड़ी चुनौती वो है, जिसका अंदाजा नहीं लगाया जा रहा और न भाजपा उसे गंभीरता से ले रही है। वह चुनौती है उमा भारती का बदलता नजरिया! अब वे खुलकर मैदान में आने की तैयारी में हैं। शराबबंदी की मांग को लेकर उन्होंने 17 जनवरी से आर-पार की लड़ाई की चेतावनी भी दे दी। पार्टी के अंदर सुलग रही उमा भारती लंबे समय से अलग-अलग तरीकों से भाजपा को परेशान करने में लगी हैं। न सिर्फ संगठन को, बल्कि सरकार को भी वे अपने शराबबंदी अभियान से परेशान कर रही हैं। कई बार उन्हें शराब की दुकानों पर पत्थर चलाते देखा जाता है। बात यहीं तक सीमित नहीं है। वे रायसेन के किले में पहुंचकर वहां पुरातत्व विभाग को पुरातन शंकर मंदिर खोलने के लिए मजबूर करती हैं। उन्होंने पिछले दिनों ओंकारेश्वर के ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में आकर वहां लगी रेलिंग उखाड़ दी। शिवलिंग और नंदी के बीच यह रेलिंग क्यों लगाई गई! पुरातन मंदिरों के संरक्षण का आशय यह नहीं कि पुरातत्व विभाग पुजारियों की बात की अनदेखी करे। निस्संदेह यह उमा भारती की सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। पिछले दिनों उमा भारती ने अपने समाज के एक कार्यक्रम में संदर्भ से अलग हटकर वहां मौजूद लोगों से कहा कि वे उनके कहने से भाजपा को वोट न दें! उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे पार्टी से बंधी हैं, इसलिए वे तो भाजपा को वोट देने के लिए कहेंगी, लेकिन उन्हें जिस भी पार्टी को देना है, उनको वोट दें। इसका सीधा-सा मतलब समझा जा सकता है कि वे मध्यप्रदेश के 9 फीसदी लोधी वोटरों को भाजपा से काटना चाहती हैं, जो अभी तक भाजपा के साथ रहे हैं। जिसके पीछे उमा भारती रही हैं। चुनावी साल में उनका ये मुद्दा अंडर करंट बन सकता है। उमा भारती के इस अभियान को महिलाओं का समर्थन मिल रहा है। भाजपा का मजबूत माना जाने वाला महिला वोट बैंक यदि उससे छिटका तो बदलावकारी हो सकता है। उमा भारती साध्वी हैं, पर उससे ज्यादा राजनीतिक हैं। वे जिस लोधी समाज से आती हैं, उसका मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड इलाके के अलावा उत्तर प्रदेश के बड़े इलाके में दबदबा है। इस समाज के वोटर विधानसभा की कई सीटों पर खेल बिगाड़ सकते हैं। लोधी वोटरों की 9 फीसदी ताकत का भाजपा से टूटना पार्टी के लिए बड़ा खतरा है। 230 सीटों वाली विधानसभा में 50 से ज्यादा सीटें ऐसी हैं, जहां लोधी वोटर सारे समीकरण प्रभावित कर सकते हैं। उमा भारती के बदलते तेवरों के पीछे कोई बड़ी रणनीति का संकेत मिलने लगा है। वे अपनी राजनीतिक ताकत से पार्टी नेतृत्व को ये संदेश भी दे रही हैं कि लोधी समाज को हाशिए पर रखकर भाजपा प्रदेश में फिर से सरकार नहीं बना सकती। उमा भारती की राजनीति का अपना एक अलग तरीका है। वे भाजपा का सामने खड़े होकर विरोध न करके भी भाजपा के खिलाफ परोक्ष रूप से दांव चल रही हैं। वे भाजपा के उस 'राम अभियान' को भी चोट पहुंचा रही हैं, जो पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यहां तक कहा कि राम और हनुमान भाजपा के कॉपीराइट नहीं हैं। यह दोनों भगवान पुरातन काल से हिंदुओं की आस्था के प्रतीक रहे हैं और इन्हें भाजपा ने नहीं बनाया। उन्होंने अपनी बात साबित करने के लिए कई तर्क दिए। जहां तक तर्कों की बात है, उमा भारती के सामने कोई खड़ा नहीं हो सकता। क्योंकि, वे बचपन से धार्मिक प्रवचनकार रही हैं। इसलिए उन्हें वे सारे धार्मिक ग्रंथ कंठस्थ हैं, जिनके आधार पर वे कभी भी किसी से भी बहस कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब कांग्रेस के लोगों ने राम मंदिर के लिए चंदा दिया और भाजपा के लोगों ने उसका विरोध किया था, तब सबसे पहले मैंने ही कहा था कि राम सबके हैं राम के भक्त कहीं भी हो सकते हैं। दरअसल, पार्टी या सरकार किसी ने भी अभी तक उनके शराबबंदी अभियान को लेकर कुछ नहीं कहा। किसी अन्य मामले में भी पार्टी और सरकार दोनों चुप हैं। जबकि, उमा भारती ने कई बार कानून भी हाथ में लिया, पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। यदि यह कोई आम आदमी करता, तो अभी तक उसे जेल में डाल दिया जाता। जिस पुरातत्व विभाग को पुरातन मंदिरों की देखरेख करने की जिम्मेदारी मिली है, उनके काम में हस्तक्षेप भी इसी तरह का एक मामला है। कहा जा रहा है भाजपा के नेता रहे प्रीतम लोधी जो कि उमा भारती के रिश्तेदार हैं, भाजपा ने जब उनके खिलाफ कार्रवाई की, तो वे खफा हो गईं। उनके भतीजे राहुल लोधी के चुनाव को जब कोर्ट ने खारिज कर दिया, तो भी उमा की पार्टी से नाराजगी उग्र हो उठी। लेकिन, पार्टी ने उनको मनाने या समझाने की कभी कोशिश शायद नहीं की। उनके सड़क पर आकर खुला विरोध करने को लेकर भी प्रतिक्रिया नहीं की। हालात देखकर इस बात को समझा जा सकता है कि वे अब खुलकर विरोध की स्थिति में आ गईं! लेकिन, वे ऐसा क्यों कर रही हैं, इस बात का खुलासा होना अभी बाकी है। देखना है कि भाजपा दूसरी चुनौतियों के अलावा अंदर से उभर रही इस चुनौती का मुकाबला कैसे करती है! क्योंकि, शिवराज सिंह चौहान के अलावा भाजपा का कोई और नेता सामने आकर उमा भारती से बात करने का साहस नहीं रखता! लेकिन, जो भी बात करेगा, वो कब करेगा!

विचार मंथन

जजों की नियुक्ति को लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच जोर आजमाइश

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर मैं कॉलेजियम की अनुशंसा का लंबे समय तक पालन नहीं किए जाने पर गंभीर आपत्ति जताई है सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की आलोचना भी की है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की खंडपीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि लंबे समय तक अनुशंसा को लटकाए रखने से यह धारणा बन रही है। कि इसमें तीसरे पक्ष का भी हस्तक्षेप हो रहा है। जो सुप्रीम कोर्ट को स्वीकार नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि कॉलेजियम की अनुशंसाओं का जल्द निपटारा किया जाएगा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में यह भी कहा 44 नामों पर सरकार शीघ्र फैसला ले रही है ।जबकि कॉलेजियम की ओर से भेजी गई 104 अनुशंसा भारत सरकार के पास लंबित हैं। न्यायमूर्ति कोल ने अटॉर्नी जनरल से यह भी पूछा कि जो 10 अनुशंसा कॉलेजियम ने काफी समय पूर्व की थी। वह अभी तक क्यों लंबित हैं। 2 अनुशंसा तो 2021 से भारत सरकार के पास लंबित हैं। इस पर अटॉर्नी जनरल ने सुप्रीम कोर्ट से समय मांगा कि वह सरकार से चर्चा करके ही इस बारे में जवाब दे पाएंगे। जस्टिस कौल ने कहा कार्यवाही में देरी नहीं होनी चाहिए। अब इस मामले की सुनवाई 3 फरवरी को होगी। उल्लेखनीय है केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम द्वारा भेजी गई अनुशंसा के अनुसार नियुक्तियां और ट्रांसफर नहीं करने पर एडवोकेट एसोसिएशन बेंगलुरु ने याचिका दायर की है। पिछले कई महीनों से जिस तरह से भारत सरकार सीधे-सीधे सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर नाराजगी जता चुकी है विधि मंत्री कॉलेजियम व्यवस्था से संतुष्ट नहीं है वही सुप्रीम कोर्ट भी कॉलेजियम की अनुशंसा ओं को लेकर सीधे सरकार को आदेश क्यों नहीं जारी कर रही है इसको लेकर देशभर में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं सुप्रीम कोर्ट वर्तमान व्यवस्था के अनुसार यदि सरकार उनके आदेशों का पालन नहीं कर रही है तो सुप्रीम कोर्ट को आदेश देने में किसने रोक लगा रखी है यदि सुप्रीम कोर्ट खुद अपने आप को इस मामले में फैसला देने में असहाय महसूस कर रही है ऐसी स्थिति में अब सरकार जो चाहती है या तो वही होगा या सुप्रीम कोर्ट जो चाहती है उसको करने के लिए भारत सरकार को सीधे-सीधे आदेश देना होगा यदि भारत सरकार आदेश का पालन नहीं करें तो सुप्रीम कोर्ट को अपने आदेश को पालन कराने के लिए अपने अधिकारों का उपयोग करने की जो संवैधानिक शक्तियां प्राप्त हैं उन शक्तियों का प्रयोग सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं कर रही है इसको लेकर अब जनमानस के बीच बड़ी चर्चाएं हो रही हैं जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर के मामले में यदि सुप्रीम कोर्ट अपनी अनुशंसा ओं का पालन नहीं करवा पाती है तो इससे देश भर में यही संदेश जाएगा की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार चुनी हुई निर्वाचित सरकार ही सर्वोपरि है सरकार जो चाहती है न्यायपालिका को वही करना होगा इससे न्यायपालिका की निष्पक्षता और संविधान की मूल स्वरूप में न्यायपालिका को सर्वोच्चता दी गई है उसका कोई मतलब नहीं रह जाएगा सरकार ही सर्वोपरि होगी।

भारत गुणवत्ता के महत्व को समझे और उसकी राह पर चलेः गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)

केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत को गुणवत्ता के महत्व को समझना और उसकी राह पर चलना होगा। गोयल के पास उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग तथा कपड़ा मंत्रालय का भी प्रभार है। गोयल ने हाल ही में राजधानी में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 76वें स्थापना दिवस समारोह में यह बात कही। इस अवसर पर भारत में औद्योगिक इकाइयों और प्रयोगशालाओं के मानचित्रण पोटर्ल का उदघाटन किया गया। गोयल ने भारत में उत्पाद की गुणवत्ता को स्थापित करने के दिशा में बीएसआई द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहल की सराहना की और कहा कि ये कायाकल्प करने वाली पहल हैं। इसी संदर्भ उन्होंने मानकों की राष्ट्रीय कार्य योजना 2022-27 और पूरे देश में 400 से अधिक स्टैंडर्ड्स क्लब की स्थापना जैसी पहल का उल्लेख किया। उन्होंने युवा पीढ़ी को क्वालिटी के प्रति जागृत करने के लिए एक संपर्क अभियान चलाने का सुझाव दिया जिसमें पुराने और अनुभवी लोग विद्यार्थियों के साथ इस विषय में संवाद शुरू करें। गोयल ने कहा कि सरकार भारत में उत्पाद की जांच के बुनियादी ढांचे के पारिस्थितिकी तंत्र को विश्वस्तरीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आज शुरू किए गए औद्योगिक इकाइयां और प्रयोगशालाओं के मैपिंग पोर्टल के माध्यम से पूरे देश में फैली जांच प्रयोगशाला के बारे में जानकारी प्राप्त करने की केंद्रीय सुविधा शुरू हो गई है।

इसे देश में उपलब्ध जांच प्रयोगशालाओं का विश्लेषण करने और उद्योग को जांच सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल करने में आसानी होगी।

जर्मन कंपनी सूजे का भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर जोर

नयी दिल्ली, जर्मनी की मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर कंपनी सूजे दुनिया के प्रमुख बाजारों में अपनी वृद्धि के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार कर रही है। सूजे के मुख्य उपभोक्ता अधिकारी इमरान खान ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रौद्योगिकी परिदृश्य में व्यापक बदलाव आए हैं और कंपनी इस आर्थिक वृद्धि एवं नवाचार में अपनी तरफ से योगदान देना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत में सूजे का विस्तार इसमें मदद करेगा। खान ने कहा कि सूजे की भारत में अपना विस्तार आक्रामक ढंग से करने की योजना है और इस दौरान वह बड़ी संख्या में रोजगार भी मुहैया कराएगी। सूजे पहले ही बेंगलुरु में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित कर चुकी है। उन्होंने कहा कि सूजे अपने तीन उत्पादों- लाइनक्स, एंटरप्राइज कंटेनर मैनेजमेंट और एज की मदद से नवाचार को बढ़ावा दे रही है। सूजे ने ही पहली बार खुली ऑपरेटिंग प्रणाली लाइनक्स को बाजार में पेश किया था। उन्होंने कहा कि भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर कंपनी का जोर है और दुनिया में उसके कुल श्रमबल का 20 प्रतिशत भारत में ही मौजूद होने का लक्ष्य रखा गया है।

चालू रबी सत्र में गेहूं का रकबा बढ़कर 332.16 लाख हेक्टेयर हुआ

- पिछले साल इसी अवधि में 329.88 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई

नई दिल्ली । चालू फसल सत्र 2022-23 में गेहूं की बुवाई का रकबा लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 332.16 लाख हेक्टेयर हो गया है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रबी सत्र सर्दियों की मुख्य फसल गेहूं की बुवाई अक्टूबर से शुरू हो गई थी। मक्का ज्वार चना और सरसों अन्य प्रमुख रबी फसलें हैं। इन फसलों की कटाई अगले साल मार्च-अप्रैल में शुरू होगी। नए आंकड़ों के अनुसार किसानों ने मौजूदा रबी सत्र में छह जनवरी तक 332.16 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई की है जबकि पिछले साल इसी अवधि में 329.88 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। खास तौर पर राजस्थान 2.52 लाख हेक्टेयर उत्तर प्रदेश 1.69 लाख हेक्टेयर महाराष्ट्र 1.20 लाख हेक्टेयर गुजरात 0.70 लाख हेक्टेयर छत्तीसगढ़ 0.63 लाख हेक्टेयर बिहार 0.44 लाख हेक्टेयर पश्चिम बंगाल 0.10 लाख हेक्टेयर जम्मू और कश्मीर 0.06 लाख हेक्टेयर और असम 0.03 लाख हेक्टेयर से गेहूं की अधिक बुवाई होने की सूचना है। इसके अलावा चालू रबी सत्र में छह जनवरी तक धान की बुवाई का रकबा भी बढ़कर 21.29 लाख हेक्टेयर हो गया है। जो एक साल पहले की इसी अवधि में 16.45 लाख हेक्टेयर था। इसी तरह तुलनात्मक अवधि के दौरान दलहन खेती का रकबा मामूली बढ़कर 157.67 लाख हेक्टेयर हो गया है जो पिछले साल 156.23 लाख हेक्टेयर था। इस रबी सत्र में अभी तक कुल दलहनों में से चना की बुवाई 107.82 लाख हेक्टेयर में की गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि मोटे और पौष्टिक अनाज का रकबा 46.80 लाख हेक्टेयर से मामूली बढ़कर 48.97 लाख हेक्टेयर हो गया है। तिलहन के मामले में इस रबी सत्र में अब तक विभिन्न प्रकार के तिलहनों का कुल रकबा बढ़कर 105.49 लाख हेक्टेयर हो गया है जो साल भर पहले 97.66 लाख हेक्टेयर था।

एथर एनर्जी ने 389 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

-इलेक्ट्रिक स्कूटर बिक्री के तोड़ दिए सभी रिकॉर्ड

नई दिल्ली । बीते महीने में स्टार्टअप कंपनी एथर एनर्जी ने 389 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जिसकी 9187 इकाइयां बिकी हैं। कंपनी ने दिसंबर के महीने में 389 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। पिछले महीने अपने ग्राहकों के लिए कंपनी ने एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर के नाम से कई ऑफर दिए थे। कंपनी ने ग्राहकों के लिए डिस्काउंट फाइनेंस ऑप्शन और एक्सचेंज स्कीम की पेशकश करते हुए एक महीने का कार्यक्रम पेश किया था।कंपनी ने नेल्लोर करीमनगर उडुपी नोएडा कोट्टायम और शिमोगा सहित शहरों में 14 शोरूम के उद्घाटन के साथ अपनी रिटेल प्रेजेंस का भी उद्घाटन किया था। एथर एनर्जी का लक्ष्य 2023 में अपनी बिक्री को कई गुना बढ़ाना है। इसकी व्यावसायिक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उत्पादन की मात्रा को दोगुने से अधिक बढ़ाना है। कंपनी ने मार्च 2023 तक उत्पादन दर को 8000-9000 यूनिट प्रति माह की वर्तमान रोलआउट दर से बढ़ाकर 20000 यूनिट करने की योजना बनाई है। एथर ने इस साल अक्टूबर में होसुर में अपनी दूसरी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी खोली है। उत्पादन बढ़ाने की इस रणनीति में यह नया संयंत्र महत्वपूर्ण होगा।एथर एनर्जी का लक्ष्य सप्लाय चेन के दबाव को कम करने के लिए पूरे भारत में अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को बढ़ाना है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर ब्रांड शहरों के बाहरी इलाकों में शोरूम खोलने की योजना बना रहा है और अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए धीरे-धीरे अधिक समृद्ध शहरी इलाकों में जा रहा है। दूसरी तरफ वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर 'विडा वी1' की ग्राहकों को सप्लाय शुरू कर दी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ब्रांड के पहले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बेंगलुरु में आपूर्ति की गई। इसके बाद जयपुर और दिल्ली में सप्लाई शुरू होगी। हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पवन मुंजाल ने कहा विडा के साथ हमारा उद्देश्य भविष्य के लिए अत्यधिक रुझान स्थापित करना है ।

मुद्रा कोष कोटा प्रणाली में सुधार की प्रारं भिक प्रगति अच्छीः उप प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती हुई प्रकृति से तालमेल बिठाने वाले उसके कोटा सुधारों की दिशा में शुरुआती प्रगति अच्छी रही है। आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक एंतोइने सायेह ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की कोटा प्रणाली में नए सुधारों की दिशा में प्रयास जारी हैं। मुद्राकोष की कोटा प्रणाली की 16वीं समीक्षा का काम 15 दिसंबर 2023 तक पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा` कि कोटा प्रणाली की पिछली समीक्षा के अपने अनुभव से हमें पता है कि नई समीक्षा के नतीजों को लेकर देशों का नजरिया काफी अलग रहने वाला है। हम उनके साथ मिलकर एक साझा जमीन तलाशने की कोशिश में हैं ताकि इस समीक्षा के प्रति नजरिये को सुनिश्चित किया जा सके। आईएमएफ में मतदान और अंशदान के अलावा ऋण आवंटन का भी निर्धारण इसके सदस्य देशों को निर्धारित कोटा के आधार पर ही किया जाता है। विश्व अर्थव्यवस्था में किसी देश के अंशदान को आधार बनाते हुए यह कोटा तय किया जाता है। इसकी समय-समय पर समीक्षा भी होती रहती है। पिछली समीक्षा की अनुशंसाओं को जनवरी 2016 में लागू किया गया था। आईएमएफ की कोटा हिस्सेदारी में किसी भी बदलाव का नतीजा उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मतदान अधिकार में बढ़ोतरी के रूप में सामने आ सकता है। इसकी वजह यह है कि विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती अर्थव्यवस्थाओं का अंशदान तुलनात्मक रूप से बढ़ा है। सायेह ने कोटा प्रणाली की ताजा समीक्षा के दौरान अब तक हुई प्रगति को अच्छा बताते हुए कहा` कि देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती प्रकृति और सदस्य देशों की तरफ से किए जा रहे अंशदान के बारे में अंदाजा है। जरूरत है कि हम अपनी संरचना का उन बदलावों से तालमेल बिठाएं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) नए वर्ष के पहले सप्ताह में बाजार में रही एक फीसदी गिरावट

मुंबई ।(एजेंसी)

घरेलू शेयर बाजारों में 6 जनवरी को समाप्त सप्ताह में एक फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई। पहले दो सत्रों में बढ़त के साथ मजबूत शुरुआत देखने को मिली थी लेकिन इसके बाद अगले तीन सत्रों में बाजार दबाव में आ गया। बाजार के` विशेषज्ञों का कहना है` कि इसकी वजह निवेशकों ने अगले सप्ताह तीसरी तिमाही के नतीजों से पहले मुनाफा वसूली शुरू कर दी थी। इसके अलावा फेडरल रिजर्व द्वारा आगे दरों में बढ़ोतरी के भी संकेत मिले। बीते हुए सप्ताह पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच बीते सप्ताह सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30 अंकों की तेजी के साथ 60871 पर खुला और 327 अंकों की मजबूती के साथ 61167 पर बंद हुआ। निफ्टी 26 अंकों की तेजी के साथ 18131 पर खुला और 92 अंकों चढ़कर 18197 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 141.24 अंकों की गिरावट के साथ 61026 अंकों पर खुला और 35.10 अंकों की बढ़त के साथ 18232.55 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 61294 पर खुला और 636 अंकों की गिरावट के साथ 60657 पर बंद हुआ। निफ्टी 18230 पर खुला और 189 अंकों की गिरावट के साथ 18042 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 190 अंकों की बढ़त के साथ 60847 अंकों पर खुला और सेंसेक्स 304 अंकों की गिरावट के साथ 60353 पर बंद हुआ। निफ्टी 59 अंक मजबूत होकर 18102 अंकों पर खुला और 350 अंकों की गिरावट के साथ 42608 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 35.47 अंकों की मजबूती के साथ पर खुला और 452.90 अंकों की गिरावट के साथ 59900.37 अंकों पर कारोबार करते हुए बंद हुआ। निफ्टी 41 अंकों की तेजी के साथ 42649 पर खुला और 132.70 अंकों की गिरावट के साथ 17859.45 पर बंद हुआ।

स्कूटर एक बार चार्ज करने पर चलेगा 180 किमी

-प्रोटोटाइप इलेक्ट्रिक स्कूटर की कर रहा टेस्टिंग

नई दिल्ली । कई दिग्गज कंपनियां पेट्रोल टू-व्हीलर के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहन में बाजार में उतार रहे हैं। हाल के दिनों में कई कंपनियों ने भी इस सेगमेंट में एंट्री की है। इनमें ओला और एथर जैसे कई नाम शामिल हैं। ये कंपनियां इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में अपनी पहचान बना रही हैं। अब नए साल 2023 में कई नई कंपनियां इस सेगमेंट में एंट्री करने जा रही हैं। उनमें से एक ईवी कंपनी रिवर हो सकती है। बैंगलोर स्थित यह स्टार्टअप वर्तमान में एक प्रोटोटाइप इलेक्ट्रिक स्कूटर की टेस्टिंग कर रहा है। उसी के स्पाई शॉट्स अब इंटरनेट पर लीक हो गए हैं।स्पॉट किए गए टेस्टिंग स्कूटर की पहचान रिवर के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के रूप में कई गई है। हालांकि कंपनी की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है। इसका डिजाइन यामाहा नियो के इलेक्ट्रिक स्कूटर की तरह लगता है। इसमें बाहर की तरह एक जैसी दिखनी वाली चतुर्भुज एलईडी डीआरएल और उनके अंदर हेडलाइट एलिमेंट के साथ कुछ समान फ्रंट एप्रन डिजाइन मिलता है।टेस्ट हो रहे स्कूटर को जब देखा गया तब वह पूरी तरह से कैमफ्लाश यानी एक तरह के छलावरण से ढका हुआ था। यामाहा नियो स्कूटर के अलग रिवर का इलेक्ट्रिक स्कूटर रगिड डिजाइन में दिख रहा है। इसके साइड प्रोफाइल की बात करें तो इसमें ब्लैक एलिमेंट वाले साइड पैनल देखे जा सकते हैं। इसके अलावा सिंगल-पीस ग्रैब हैंडल है जिसमें लगेज रैक लगाने का भी जुगाड़ है। इलेक्ट्रिक स्कूटर के पीछे की नंबर प्लेट होल्डर को इस ग्रैबिएल से जिप से बांधा गया है। हालांकि प्रोडक्शन स्पेक मॉडल में इसे बेहतर तरके से व्यवस्थित किया जाएगा। स्कूटर में एक होरिजोंटली रखी गई फ्रीस्टैंडिंग डिजिटल डिस्प्ले है जो एक टचस्क्रीन यूनिट होने की संभावना है और इस स्कूटर का इंस्ट्रूमेंटेशन बनाती है। बैटरी और रेंज के बारे में कुछ पता नहीं चल सकता है। हालांकि रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यह एक बार चार्ज करने पर करीब 180 किमी तक चलेगा। बता दें कि भारत में पिछले कुछ सालों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग काफी तेजी बढ़ी है। यह साल दर साल बढ़ती जा रही है। खास तौर पर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में काफी बढ़ोतरी देखी गई है।

बजट में सरकार का फोकस एग्रीकल्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर पर रहेगाः रजनीश कुमार

मुंबई । सरकार को अगले यूनियन बजट में एग्रीकल्चर और रूरल एरिया के लिए ज्यादा आवंटन करना चाहिए। साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। एसबीआई के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार ने यह सलाह दी है। कुमार ने अगले बजट और इकोनॉमी को लेकर कई जरूरी बातें बताईं। अगले यूनियन बजट में सरकार के फोकस के बारे में उन्होंने कहा कि चूंकि चुनाव करीब है जिससे मेरा मानना है कि ग्रामीण इलाकों पर सरकार का ज्यादा फोकस होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी सरकार आवंटन बढ़ाएगी जो मौजूदा स्थिति को देखते हुए सही एप्रोच होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2023 को यूनियन बजट पेश करेंगी। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले यह केंद्र सरकार का आखिरी पूर्ण बजट होगा। इलेक्शंस के बाद केंद्र की नई सरकार वित्तीय वर्ष 24–25 का पूर्ण बजट पेश करेगी। कुमार अभी भारत पे के चेयरमैन हैं। उन्होंने कहा अगर आप व्यापक नजरिए से देखें तो इसके लिए सरकार को क्रेडिट देना पड़ेगा। यहां तक कि कोरोना महामारी के दौरान भी सरकार का फोकस फिस्कल डेफिसिट पर बना हुआ था। माना जा रहा है कि इस वित्त वर्ष में सरकार का फिस्कल डेफिसिट बजट में तय लक्ष्य को पार नहीं करेगा।

नई बुगाटी को लास वेगास में टेक इवेंट सीईएस 2023 में प्रदर्शित किया गया ।

यूपी और पंजाब में पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्का बदलाव देखा जा रहा है। ब्रेंट क्रूड जहां हल्का घटा है तो वहीं डब्ल्यूटीआई में मामूली तेजी है। ब्रेंट क्रूड 0.12 डॉलर घटकर 78.57 डॉलर प्रति बैरल है। डब्े ले यूटीआई 0.10 डॉलर बढ़कर 73.77 डॉलर प्रति बैरल है। देश के कई राज्यों में शे निवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। पंजाब में पेट्रोल में 0.49 रुपए बढ़कर 96.89 रुपए और डीजल 0.48 की बढ़त पर 87.24 रुपए है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 0.33 रुपए बढ़कर 96.63 रुपए और डीजल 89.80 रुपए प्रति लीटर है। पश्चिम बंगाल उत्तराखंड तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है। वहीं राजस्थान में पेट्रोल 0.26 रुपए गिरकर 108.62 रुपए और डीजल 0.23 रुपए गिरकर 93.85 प्रति लीटर पर बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

मुकेश अंबानी को पछाड़ने वाले जैक मा के हाथ से निकल गई कंपनी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

चीन के जैक मा एक समय एशिया के प्रमुख रईस थे लेकिन आज उनकी हालत खराब हो गई है। अब उनके हाथ से एंट ग्रुप भी निकल गया है। इस ग्रुप को जैक मा ने ही खड़ा किया था और बुलंदियों पर पहुंचाया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन दिग्गज फिनटेक कंपनी ने कहा है कि कंपनी पर अब जैक मा का कंट्रोल नहीं रह गया है। उनके वोटिंग राइट्स भी बहुत कम कर दिए गए हैं।

कभी एंट ग्रुप में उनके पास 50 फीसदी वोटिंग राइट्स थे जो अब 6.2 फीसदी रह गए हैं। एंट में उनकी हिस्सेदारी अब महज 10 फीसदी रह गई है। एंट ग्रुप चीन की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा की सहयोगी है। जैक मा को चीन की सरकार से पंगा लेना महंगा पड़ा। जैक मा मार्च 2020 में मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए थे लेकिन चीन की सरकार के बारे में दिए गए एक बयान के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ गई थी। पिछले साल उनकी नेटवर्थ में काफी गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक जैक मा की नेटवर्थ अब 34.1 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 34वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 86.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया में दूसरे और दुनिया में आठवें नंबर पर हैं। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 117 अरब डॉलर की नेटवर्थ के सबसे अमीर एशियाई हैं।

एफडी पर ब्याज दर तीन साल में पहली बार आठ फीसदी पहुंची

- कई सीनियर सिटीजंस पुरानी एफडी तोड़कर नए डिपॉजिट करने के बारे में सोच रहे

मुंबई ।(एजेंसी)

फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करने वालों के लिए अच्छी खबर है। तीन साल में पहली बार एफडी पर ब्याज दर आठ फीसदी पहुंच गई है। कई बैंक सीनियर सिटीजंस के लिए एफडी पर आठ फीसदी या उससे अधिक ब्याज दे रहे हैं। आरबीआई ने महंगाई को काबू करने के लिए पिछले साल पांच बार रेपो रेट में इजाफा किया था। इससे लोगों के लिए होम लोन समेत सभी तरह के लोन महंगे हो गए हैं। लेकिन एफडी में निवेश करने वालों को फायदा हुआ है। इससे खासकर सीनियर सिटीजंस को काफी फायदा हुआ है जो एफडी ब्याज से हुई आय पर निर्भर रहते हैं। कई प्राइवेट बैंक अब एफडी पर आठ फीसदी और सरकारी बैंक 7.5 फीसदी ब्याज दे रहे हैं। अब कई सीनियर सिटीजंस पुरानी एफडी तोड़कर नए रेट्स पर डिपॉजिट करने के बारे में सोच रहे हैं। मुंबई में एक बुजुर्ग महिला ने 2020 के अंत में एक प्राइवेट बैंक में 2.5 लाख रुपए की एफडी 5.75 फीसदी साल के लिए की थी। इसमें उनके बेटे ने उनकी मदद की थी। जब उन्हें पता चला कि अब इसी टेन्योर पर 7.75 फीसदी ब्याज मिल रहा है तो उन्होंने अपनी पुरानी एफडी तोड़ दी और फिर इसे नए रेट पर एफडी में डाल दिया। अब उन्हें सालाना करीब 20000 रुपये का ब्याज मिलेगा।

पिछले महीने सरकार ने सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम पर बढ़ाकर आठ फीसदी ब्याज कर दिया है। महामारी के दौरान यह 7.4 फीसदी तक गिर गया था। लेकिन अब अब एससीएसएस और एफडी के बीच अंतर कम हो गया है। कुछ बैंक सुपर सीनियर सिटीजंस यानी 80 साल से ऊपर के बुजुर्गों को ज्यादा रेट ऑफर कर रहे हैं। उदाहरण के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया उन्हें आम ग्राहकों से 75 बेसिस अंक ज्यादा ब्याज दे रहा है। बैंक 700 दिन के डिपॉजिट पर आठ फीसदी ब्याज दे रहा है। इसी तरह पंजाब नेशनल बैंक सुपर सीनियर सिटीजंस को रेगुलर रेट से 80 बीपीएस ज्यादा रेट दे रहा है। उन्हें 666 दिन पर 8.1 फीसदी ब्याज मिल रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भुवनेश्वर में 20 जनवरी को होगी मिशन ओलंपिक सेल की बैठक, विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर व राउरकेला में होगा

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) पुरुष हॉकी विश्व कप के इतर 20 जनवरी को भुवनेश्वर में अपने मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बैठक आयोजित करेगा। विश्व कप का आयोजन 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में होगा। एमओसी के सदस्य आमतौर पर टॉप्स एथलीटों के चयन के लिए अपनी मासिक बैठकों के लिए दिल्ली में मिलते हैं। यह पहली बार होगा जब वे किसी अन्य शहर में बैठक करेंगे। एमओसी के सदस्यों में पूर्व एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज अंजलि भागवत वीरेन रसकिन्हा योगेश्वर दत्त तृप्ति मुरगुंडे और मोनालिसा बरुआ शामिल हैं। सदस्यों के 19 जनवरी को वेल्स के खिलाफ भारत के अंतिम पूल मैच को देखने की भी उम्मीद है। अंजू बॉबी जॉर्ज ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा जारी एक बयान में कहा कि यह पहली बार होगा जब एमओसी सदस्य के रूप में हम सभी खिलाड़ियों को मैदान पर खेलते देखेंगे। इससे हमें उनके प्रदर्शन को प्रत्यक्ष रूप से परखने और साथ ही उनकी यात्रा का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा।

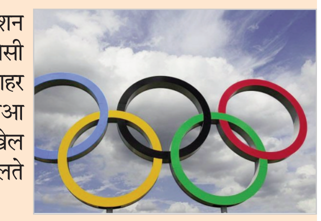

सानिया मिर्जा ने किया टेनिस से संन्यास का ऐलान

- दुबई टेनिस चैंपियनशिप में अगले माह आखिरी बार खेलती हुईं आएंगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। वह आखिरी बार दुबई टेनिस चैंपियनशिप में अगले महीने खेलती हुई नजर आएंगी। मिर्जा का यह बयान क्रिकेटर शोएब मलिक से तलाक की खबरों के बीच आया है। वहीं यह स्टार खिलाड़ी पिछले कुछ समय से चोट से भी परेशान हैं। दुबई टेनिस चैम्पियनशिप का आगाज 19 फरवरी को होगा। पूर्व युगल नंबर-1 सानिया मिर्जा डब्ल्यूटीए-1000 इवेंट के रूप में आखिरी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। 36 साल की इस खिलाड़ी ने पिछले साल ही संन्यास का ऐलान करने की योजना बनाई थी मगर कोहनी की चोट के चलते उन्हें यूएस ओपन से बाहर होने पड़ा था जिस वजह से उनका पिछला साल जल्दी समाप्त हो गया था। तीन बार डबल्स और तीन बार मिक्स डबल्स के मुख्य खिताब जीतने वाली इस भारतीय खिलाड़ी ने इस महीने के ऑस्ट्रेलियन ओपन में कजाकिस्तान की अन्ना डेनिलिना के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए हस्ताक्षर किए हैं। सानिया काफी लंबे समय से दुबई में रह रही हैं और वह अमीरात में ही अपने फैंस के सामने प्रोफेशनल टेनिस को अलविदा कहेंगी। सानिया मिर्जा पिंडली की समस्या से जूझ रही हैं लेकिन उम्मीद कर रही हैं कि यह उन्हें मैच कोर्ट पर अलविदा कहने से नहीं रोक पाएगी।

कोहनी में चोट की वजह से हर चीज से हाथ खींचना पड़ा: सानिया

सानिया ने मीडिया को बताया कि मैं फाइनल के ठीक बाद रुकने वाली थी क्योंकि हम डब्ल्यूटीए फाइनल में जगह बनाने वाले थे लेकिन यूएस ओपन से ठीक पहले मेरी कोहनी में चोट लग गई थी इसलिए मुझे हर चीज से हाथ खींचना पड़ा। ईमानदारी से कहूं तो मैं जैसी हूं वैसे मैं अपनी शर्तों पर चीजें करना पसंद करता हूं। इसलिए मैं चोट से मजबूर नहीं होना चाहती थी। इसलिए मैं ट्रेनिंग ले रहा हूं। दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप के दौरान दुबई में एक बार कोशिश करने और रिटायर होने की योजना है। सानिया मिर्जा अर्जुन अवॉर्ड पद्मश्री अवॉर्ड राजीव गांधी खेलरत्न अवॉर्ड और पद्म भूषण अवॉर्ड से भी सम्मानित हैं।

सानिया के नाम रहे ये खिताब

सानिया मिर्जा अर्जुन अवॉर्ड (2004) पद्मश्री अवॉर्ड (2006) राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड (2015) और पद्म भूषण अवॉर्ड (2016) से भी सम्मानित हैं। सानिया ने अब तक 6 बड़ी चैम्पियनशिप में मेडल जीते हैं। उन्होंने डबल्स में ऑस्ट्रेलियन ओपन (2016) विम्बलडन (2015) और यूएस ओपन (2015) खिताब जीता है। इसके अलावा उन्होंने मिक्स्ड डबल्स में भी तीन ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन (2009) फ्रेंच ओपन (2012) और यूएस ओपन (2014) खिताब जीते हैं।

सीडब्ल्यूजी की स्वर्ण पदक विजेता संजीता चानू डोप परीक्षण में विफल, नाडा ने किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दो बार के राष्ट्रमंडल गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक के संजीता चानू डोप परीक्षण में विफल रही हैं और अब उन्हें राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। संजीता का सैंपल 30 सितंबर को लिया गया था, जिस दिन उन्होंने कुल 187 किलो वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया था। ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके ए और बी दोनों नमूनों में ड्रोस्तानोलोन, एक एनाबॉलिक स्टेरॉयड की मौजूदगी देखी गई, जो विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची में है। संजीता, जिन्हें अब राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल के सामने पेश होना होगा, उनको इस अपराध के लिए चार साल का निलंबन मिल सकता है। अगर वह दोषी पाई जाती हैं तो वह राष्ट्रीय खेलों में अपना रजत गंवा सकती हैं। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के प्रमुख सहदेव यादव के हवाले से कहा गया है, मुझे बहुत दुख है कि इतनी वरिष्ठ भारोत्तोलक डोप टेस्ट में पकड़ी गयीं।

संजीता, जिन्हें अब राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल के सामने पेश होना होगा, उनको इस अपराध के लिए चार साल का निलंबन मिल सकता है। अगर वह दोषी पाई जाती हैं तो वह राष्ट्रीय खेलों में अपना रजत गंवा सकती हैं।

25वीं अरेबियन गल्फ फुटबॉल चैंपियनशिप इराक में शुरू

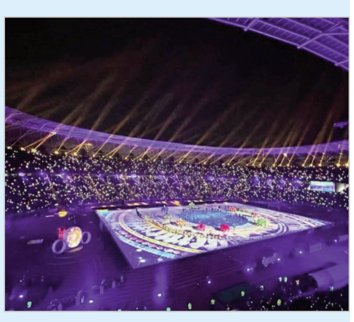

बगदाद। 25वीं अरेबियन गल्फ कप 2023 की शुरूआत दक्षिणी इराकी शहर बसरा में हुई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने शुक्रवार को उद्घाटन समारोह में खाड़ी चैंपियनशिप की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा कि यह समारोह खाड़ी अरब भाइयों के बीच भाईचारे का प्रतीक है। उद्घाटन समारोह के बाद इराक और ओमान के बीच उद्घाटन मैच बिना गोल के ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इराकी राष्ट्रीय टीम यमन, सऊदी अरब और ओमान के साथ ग्रुप ए में है, जबकि दूसरे समूह में बहरीन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात की फुटबॉल टीमें शामिल हैं। कतर ने 2019 में टूर्नामेंट के 24वें सीजन की मेजबानी की थी, जिसे कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण बाद में निलंबित कर दिया गया था। 1970 में स्थापित टूर्नामेंट इराकी राजधानी बगदाद द्वारा 1979 में अपने 5वें सीजन की मेजबानी करने के बाद पहली बार इराक लौटा। इराक को उम्मीद है कि चल रहा गल्फ कप क्षेत्रीय गतिविधियों में देश की वापसी दिखाने का एक अवसर होगा। 1970 में स्थापित टूर्नामेंट इराकी राजधानी बगदाद द्वारा 1979 में अपने 5वें सीजन की मेजबानी करने के बाद पहली बार इराक लौटा।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप से पहले भारत ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका में 14 से 29 जनवरी तक होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के शुरूआती सीजन से पहले भारत आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से सभी 16 टीमों के अभ्यास कार्यक्रम की घोषणा के अनुसार मैच 9 जनवरी से शुरू होंगे। 14 जनवरी को होने वाले टूर्नामेंट के पहले मैच से दो दिन पहले तक चलेंगे। भारत का पहला वॉर्म-अप मैच 9 जनवरी को स्टेन सिटी स्कूल में स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे से दोपहर 12꞉45 बजे तक आस्ट्रेलिया के खिलाफ है, जबकि उनका दूसरा वॉर्म-अप मैच 11 जनवरी को सेंट स्टिथियंस कॉलेज में उसी समय बांग्लादेश के खिलाफ है। दो दिन के अभ्यास मैचों में टीमें गौतेंग में चार स्थानों पर अभ्यास मैच खेलेंगी, जिसमें सेंट स्टिथियंस कॉलेज, स्टेन सिटी स्कूल, तुक्स ओवल और हम्मांसक्राल ओवल शामिल है। मुख्य टूर्नामेंट से पहले प्रत्येक टीम दो वार्म-अप मैच खेलेगी। ब्राहमफिसचरविले को शुरू में स्थानों में से एक के रूप में निर्धारित किया गया था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में प्रांत में लगातार खराब मौसम के कारण गीले आउटफील्ड के परिणामस्वरूप मैचों को स्टेन सिटी स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया। आईसीसी अंडर-19 महिला टी2 विश्व कप के पहले सीजन में 16 टीमें बेनोनी और पोचेफस्ट्रूम में चार स्थानों पर 41 मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को चार समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स राउंड में आगे बढ़ेंगी, जहां टीमों को छह के दो समूहों में रखा जाएगा। भारत को दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीमें 14 जनवरी को बेनोनी के विलोमूर पार्क में अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप का पहला मुकाबला खेलेंगी। आईसीसी अंडर-19 महिला टी2 विश्व कप के पहले सीजन में 16 टीमें बेनोनी और पोचेफस्ट्रूम में चार स्थानों पर 41 मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को चार समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स राउंड में आगे बढ़ेंगी, जहां टीमों को छह के दो समूहों में रखा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

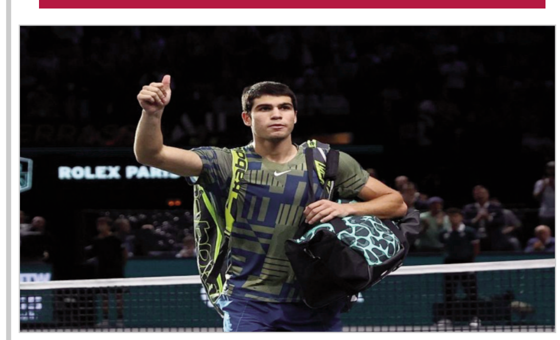

नंबर एक कार्लोस अलकारेज ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 से हटे

मेड्रिड,

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अलकारेज दाएं पैर की चोट के कारण वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन से हट गए हैं। 19 वर्षीय अलकारेज, जो पिछले वर्ष सबसे युवा नंबर एक खिलाड़ी बने थे, अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में टॉप सीड खिलाड़ी के रूप में उतरते। अलकारेज ने ट्वीट किया, जब मैं प्री सीजन में अपने सर्वश्रेष्ठ पर था, तो मुझे ट्रेनिंग के दौरान अचानक चोट लग गयी। मेरे दाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आया है। मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए फिट होने की भरपूर कोशिश की लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। अब मैं 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में उतरूंगा। अलकारेज के हटने का मतलब है कि कैस्पर रुड, स्टेफानोस सितसिपास और नोवाक जोकोविच के पास ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद सोमवार को शीर्ष स्थान पर पहुंचने का मौका होगा। अलकारेज को 2022 में शानदार प्रदर्शन होने के बावजूद पेरिस मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल से हटना पड़ा था और इसी चोट के कारण वह तुरीन में एटीपी फाइनल्स से भी बाहर रहे थे। 12 सितम्बर को अलकारेज विश्व के सबसे युवा नंबर एक खिलाड़ी बने थे। उनका 2022 में 57-13 का रिकॉर्ड रहा था। वह पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में मातियो बेरेटिनी से हार गए थे। अलकारेज को 2022 में शानदार प्रदर्शन होने के बावजूद पेरिस मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल से हटना पड़ा था और इसी चोट के कारण वह तुरीन में एटीपी फाइनल्स से भी बाहर रहे थे।

वजन कम करने में जुटे कप्तान रोहित वनडे सीरीज से पहले जिम में बहा रहे पसीना

मुंबई । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा खराब फिटनेस से उबरने के लिए आजकल जिम में पसीना बहा रहे हैं। बीते कुछ साल से हिटमैन लगातार घायल होते रहे हैं। बढ़ता वजन भी उनके खेल में बाधा बन रहा है। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज की तैयारियां कर रहे हैं जिसकी शुरुआत 10 जनवरी से गुवाहाटी में होने वाली है। रोहित शर्मा ने एक्सरसाइज का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस दौरान उन्होंने मिक्स वेट और मशीनों का इस्तेमाल किया। रोहित ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। पहले वनडे में स्लिप में फील्डिंग के दौरान उनका अंगूठा चोटिल हो गया था जिसके बाद वह टेस्ट सीरीज समेत पूरे दौरे से ही बाहर हो गए थे। वैसे भी साल 2022 हिटमैन के लिए अच्छा नहीं रहा। पिछले साल 40 पारियों में उन्होंने 27.63 के औसत से 995 रन बनाए इसमें 6 अर्द्धशतक शामिल हैं। 2012 के बाद पहली बार उन्होंने पूरे एक साल तक अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को वनडे सीरीज से पहले आठ जनवरी तक गुवाहाटी में इकट्ठा होने को कहा है। हार्दिक पंड्या एंड कंपनी मौजूदा टी-20 सीरीज के पूरा होने के बाद राजकोट से टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़ेंगे।

अर्जुन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक जड़कर अपना लोहा मनवाया

- कप्तान बनकर जड़ा दोहरा शतक
- अपने पिता सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की
- युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह से ली ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सचिन तेंदुलकर के पुत्र अर्जुन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक जड़कर अपना लोहा मनवाया है। कप्तान बनकर दोहरा शतक जड़ा। अपने पिता सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह से ट्रेनिंग ली ली है। अर्जुन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन से फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। हालांकि वे मुंबई की जगह गोवा से खेल रहे हैं। सीजन से पहले उन्होंने युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने ट्रेनिंग ली थी इसका असर उनके प्रदर्शन पर भी दिखा। पहले ही मैच में उन्होंने शतक जड़कर अपना लोहा मनवाया। इस तरह से उन्होंने अपने पिता सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने भी अपने पहले फर्स्ट क्लास मैच में शतक ठोका था।

चंडीगढ़ के कप्तान मनन वोहरा ने भी कमाल की पारी खेल

योगराज सिंह के एक और शागिर्द ने कमाल की पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। हम बात कर रहे हैं चंडीगढ़ के कप्तान मनन वोहरा की। उन्होंने दोहरा शतक जड़कर अपनी टीम को त्रिपुरा के खिलाफ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। 29 साल के मनन वोहरा ने भी युवराज सिंह के बाद योगराज सिंह से ट्रेनिंग ली थी। कई बार वोहरा घायल भी हुए लेकिन कोच की ओर उन्हें कोई छूट नहीं मिली। डांटकर उन्हें प्रैक्टिस करने के लिए कहा जाता। योगराज काफी कड़क मिजाज वाले माने जाते हैं। युवराज भी यह बात खुद कह चुके हैं। मनन वोहरा ने अपनी पारी में 313 गेंद का सामना किया और 200 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 24 चौके और 2 छक्के लगाए यानी उन्होंने 100 से अधिक रन तो सिर्फ बाउंड्री से बना डाले। टीम ने त्रिपुरा के खिलाफ तीन दिन का खेल खत्म होने के बाद पहली पारी में 3 विकेट पर 455 रन बना लिए हैं। मनन वोहरा का यह फर्स्ट क्लास करियर का 8वां शतक है। इस मैच से पहले तक उन्होंने 45 मैच की 72 पारियों में 35 की औसत से 2535 रन बनाए थे। 7 शतक और 11 अर्धशतक लगाया है। अब उन्होंने एक और दोहरा शतक जड़ा। उनके लिस्ट-ए करियर की बात करें तो उन्होंने 62 पारियों में 35 की औसत से 2102 रन बनाए हैं। 6 शतक और 10 अर्धशतक ठोंका है। 143 रन बेस्ट स्कोर है। वे टी20 में भी शतकीय पारी खेल चुके हैं। वे ओवरऑल 112 पारियों में 29 की औसत से 2993 रन बना चुके हैं।

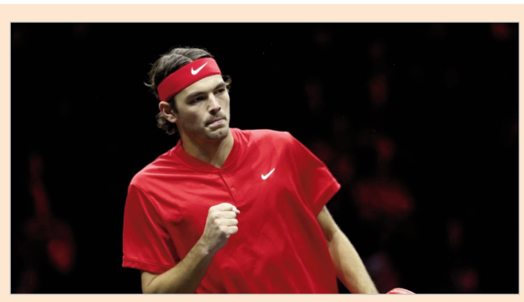

टेलर फ्रिट्ज ने अमेरिका को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचाया

ब्रिस्बेन (एजेंसी)।

यूनाइटेड कप फाइनल फोर में शुक्रवार को टीम यूनाइटेड स्टेट्स ने टीम पोलैंड के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की और अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज ने शनिवार को अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। मौजूदा बीएनपी परीबा ओपन चैंपियन ने नंबर 1 पुरुष एकल मैच में ह्यूबर्ट हर्कज को 7-6(5), 7-6(5) से हराकर अपने देश को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी। रिपोर्ट के अनुसार, जेसिका पेगुला ने वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वीयाटेक और फ्रांसेस टियाफो ने कैस्पर जुक को पीछे छोड़ते हुए अमेरिकियों को पहले दो अंक दिलाए। फ्रिट्ज के बाद मैडिसन कीज थे, जिन्होंने मैग्डा लिनेट के खिलाफ 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की। इसके बाद फ्रिट्ज और पेगुला ने मिश्रित युगल में 6-7(5), 6-4, 10-6 की जीत के साथ लुकाज कुबोत और एलिक्जा रोसोल्स्का के खिलाफ 5-0 से क्लीन स्वीप पूरा किया। टीम यूनाइटेड स्टेट्स अब सिडनी में मिश्रित युगल में 4-0 से आगे है। चैंपियनशिप मैच में टीम यूनाइटेड स्टेट्स का सामना टीम इटली या टीम ग्रीस से होगा। इटली ने अपने सेमीफाइनल टाई में ग्रीस को 2-0 से पीछे छोड़ दिया है। टियाफो ने शुक्रवार दोपहर फ्रिट्ज-हर्कज मैच के लिए भविष्यवाणी की थी, मुझे लगता है कि जो भी बेहतर सर्विस करेगा, वह शायद आगे निकल जाएगा। चैंपियनशिप मैच में टीम यूनाइटेड स्टेट्स का सामना टीम इटली या टीम ग्रीस से होगा। इटली ने अपने सेमीफाइनल टाई में ग्रीस को 2-0 से पीछे छोड़ दिया है।

चेतन शर्मा चयन समिति के अध्यक्ष पद पर बरकरार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की क्रिकेट सलाहकार समिति ने शनिवार को चेतन शर्मा को सीनियर पुरुष चयन समिति के अध्यक्ष पद के रूप में रखने की सिफारिश की। क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) में सुलक्षणा नायक, अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे शामिल हैं। भारत के लिए 23 टेस्ट खेलने वाले चेतन शर्मा दिसम्बर 2020 से चयन समिति में यह पद बरकरार रखे हुए हैं जब उन्होंने सुनील जोशी की जगह ली थी। उन्होंने चयन समिति में इस भूमिका के लिए फिर आवेदन किया था जब बीसीसीआई ने 18 नवम्बर 2022 को पांच सदस्यीय नए पैनल के लिए आवेदन आमंत्रित किये थे। बीसीसीआई ने आधिकारिक बयान में बताया कि सीएसी ने पांच पदों के लिए प्राप्त 600 आवेदनों में से 11 को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया था। इंटरव्यू के आधार पर सीएसी ने चेतन शर्मा, शिव सुन्दर दास, सुब्रतो बनर्जी, सलिल अंकोला और श्रीधरन शरत के नामों की चयन पैनल के लिए सिफारिश की थी।

पीएल में 3 बल्लेबाजों ने लगाया शतक पर टी-20 में कुछ खास करिश्मा दिखाने में हुए नाकामयाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंटरनेशनल क्रिकेट में टी-20 प्रारूप को फटाफट क्रिकेट कहा जाता है। यहां बल्लेबाज गेंदबाजों के खिलाफ बेहद आक्रामक नजर आते हैं। यही वजह है कि फैंस को मैदान में जमकर छक्के चौकों की बरसात देखने को मिलती है। टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा जमघट आईपीएल में देखने को मिलता है। यहां विश्व भर के धुरंधर खिलाड़ी शिरकत करते हैं और मैदान में जमकर अपना जलवा बिखेरते हैं। आईपीएल में विश्व भर के कई ऐसे बल्लेबाज आए हैं जिन्होंने उम्दा बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा है लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट में वह कुछ खास करिश्मा दिखाने में नाकामयाब रहे हैं। ऐसे में बात करें विश्व भर के ऐसे तीन खिलाड़ियों के बारे में जिन्होंने आईपीएल में तो धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा है लेकिन टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन करने में नाकामयाब रहे हैं।होनहार बल्लेबाज संजू सैमसन का जलवा देखने को मिला भारतीय टीम के होनहार बल्लेबाज संजू सैमसन मौजूदा समय में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। आईपीएल के शुरुआती दौर से ही इनका यहां जलवा देखने को मिला है। आईपीएल के वजह से ही वह भारतीय टीम में भी दस्तक देने में कामयाब रहे। हालांकि वह आईपीएल जैसा प्रदर्शन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं कर पाए हैं। सैमसन ने भारतीय टीम के लिए अब तक कुल 17 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस बीच उनके बल्ले से 16 पारियों में 20.07 की औसत से 301 रन निकले हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सैमसन के नाम केवल अर्द्धशतक दर्ज है। वहीं बात करें उनके आईपीएल करियर के बारे में तो उन्होंने आईपीएल में 138 मैच खेलते हुए 134 पारियों में 29.14 की औसत से 3526 रन बनाए हैं. आईपीएल में उनके नाम तीन शतक और 17 अर्द्धशतक दर्ज है। आईपीएल में सैमसन का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 119 रन का है।

मुरली विजय का भी आईपीएल में जबर्दस्त प्रदर्शन देखा गया

सैमसन की तरह ही मुरली विजय का भी आईपीएल में जबर्दस्त प्रदर्शन देखा गया लेकिन वह भारतीय टीम के लिए टी20 प्रारूप में कुछ खास कारगर साबित नहीं हुए। उन्होंने भारतीय टीम के लिए कुल नौ टी20 मुकाबलों में शिरकत की. इस बीच उनके बल्ले से नौ पारियों में 18.78 की औसत से महज 169 रन निकले। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में विजय का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 48 रन रहा. वहीं बात करें उनके आईपीएल करियर के बारे में तो यहां उनका जलवा रहा. विजय ने आईपीएल में कुल 106 मुकाबले खेले। इस बीच उनके बल्ले से 106 पारियों में 25.93 की औसत से 2619 रन निकले. आईपीएल में उनके नाम दो शतक और 13 अर्द्धशतक दर्ज है।

कीरोन ने शुरू की प्रैक्टिस दिग्गज क्रिकेटरों ने दिखाए जलवे

अबू धाबी ।

वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज कीरोन पोलार्ड की कप्तानी वाली एमआई एमिरेट्स ने शुक्रवार को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में अपना पहला प्रशिक्षण सत्र शुरू किया जो कि 13 जनवरी से शुरू हो रहे पहले आईएलटी–20 सीजन से पहले होगा। पहले प्रशिक्षण सत्र में इमरान ताहिर (दक्षिण अफ्रीका) मुहम्मद वसीम (यूएई) वृति अरविंद (यूएई) क्रेग ओवरटन (इंग्लैंड) विल स्मीड (इंग्लैंड) समित पटेल (इंग्लैंड) बास डी लीडे (नीदरलैंड्स) जॉर्डन थॉम्पसन (इंग्लैंड) जैसे खिलाड़ी) बासिल हमीद (यूएई) जहूर खान (यूएई) मैककेनी क्लार्क (वेस्टइंडीज) डैनियल मूसली (इंग्लैंड) टॉमस लैमोनबी (इंग्लैंड) नजीबुल्लाह जादरान (अफगानिस्तान) ब्रैडली व्हील (स्कॉटलैंड) ने भाग लिया। बता दें कि एमआई अमीरात जिनके पास ट्रेंट बोल्ट ड्वेन ब्रावो निकोलस पूरन जैसे सितारे भी हैं 14 जनवरी को आईएलटी–20 के उद्घाटन मैच में शारजाह वारियर्स के खिलाफ उतरेंगे। टीम के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने कहा कि मैं एमआई अमीरात का नेतृत्व करने के लिए विशेष महसूस कर रहा हूं। हमारी टीम में अनुभवी और युवा खिलाडि़यों का मिश्रण है। हमारा ध्यान कठिन प्रशिक्षण पर होगा। खिलाडि़यों की ऊर्जा प्रभावशाली है और हमारा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। बॉन्ड के अलावा पार्थिव पटेल (बल्लेबाजी कोच) आर विनय कुमार (गेंदबाजी कोच) और जेम्स फ्रैंकलिन (क्षेत्ररक्षण कोच) आईएलटी20 में एम.आई. अमीरात के लिए सहायक स्टाफ में हैं। 34 मैचों वाली छह टीमों की आईएलटी20 का फाइनल 12 फरवरी को होना है।

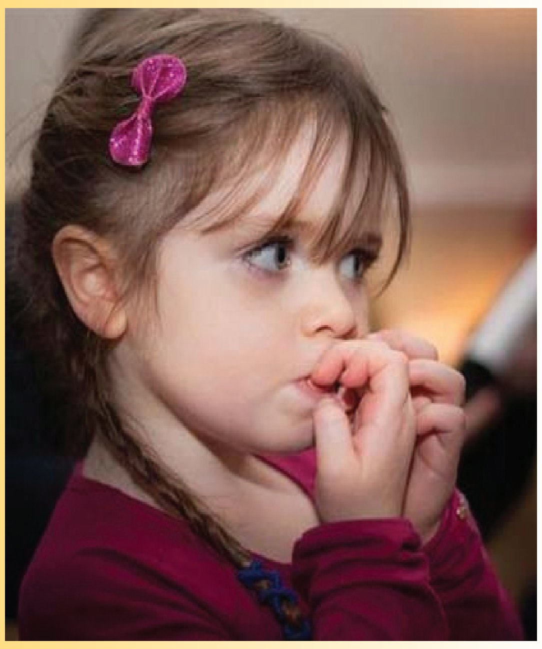

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्रांइग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आडू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें।

ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदिन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें दें्ने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी हैं क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सके। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

वादे से पलटे एलन मस्क निकले गए कर्मचारियों को अब तक नहीं मिला हर्जाना

न्यूयार्क। टिवटर के नए बॉस एलन मस्क कुछ समय पहले कड़ी आलोचना का सामना कर रहे थे जब ट्विटर के अधिग्रहण के बाद कई कर्मचारियों को निकाला दिया था उस वक्त इन कर्मचारियों को हर्जाने के तौर पर बड़ी रकम देने का वादा किया गया था लेकिन खबर है कि कई कर्मचारियों को अब तक यह पैसा नहीं मिला है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। नवंबर की शुरुआत में ट्विटर ने अपने 7500 कर्मचारियों की टीम में से लगभग आधे लोगों को नौकरी से निकाल दिया था। नौकरी से निकाले गए कैलिफोर्निया में रहने वाले लगभग 1000 लोगों ने राज्य के पास इस संबंध में दस्तावेज दिए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन श्रमिकों को राज्य और संघीय कानून के तहत दो महीने बाद नियमित पे चेक मिलने थे। लेकिन 60 दिनों की अवधि 4 जनवरी को समाप्त हुई लेकिन अब तक रकम नहीं मिली है। निकाले गए 3 कर्मचारियों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया कि बर्खास्त कर्मचारियों ने अभी तक अतिरिक्त पैकेज या स्वास्थ्य कवरेज को जारी रखने को लेकर किसी जानकारी के बारे में पता नहीं चला है। दरअसल मस्क ने छंटनी के समय ट्वीट करके कहा था कि सभी कर्मचारियों को 3 महीने की सैलरी हर्जाने के तौर पर मिलेगी। हालांकि छंटनी की घोषणा के समय मस्क ने इस रकम के भुगतान को लेकर विवरण नहीं दिया था। ट्विटर के विपरीत फेसबुक के मकर जुकरबर्ग ने 9 नवंबर को छंटनी की घोषणा करते हुए कंपनी से बाहर निकलने के बाद कर्मचारियों के साथ क्या होगा इस पर बड़ी स्पष्टता दी थी। फेसबुक की मूल इकाई मेटा प्लेटफॉर्म्स ने 11000 कर्मचारियों को छंटनी में निकाल दिया था। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने भारत में इंजीनियरिंग बिक्री और विपणन और संचार टीमों के कर्मचारियों को निकाल दिया था। हालांकि भारत में भी छंटनी किए गए कर्मचारियों के लिए सर्वेस पैकेज यानी हर्जाने की रकम को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी।

महिलाओं और नाबालिगों को इस देश की सरकार ने दिया खास तोहफा, मिल सकेंगे फ्री कंडोम और गर्भनिरोधक दवाईयां

जिनेवा। यूरोपीय संघ ने अपने सदस्य देशों से कहा कि वे चीन से आने वाले यात्रियों के लिए विमान में सवार होने से पहले कोविड जांच अनिवार्य करने का नियम बनाएज कर चुका है और ईयू के देशों में ऐसी नीतियां लागू होने पर समान प्रतिक्रिया देने की भी चेतावनी दी है। चीनी सरकार और यूरोपीय स्वास्थ्ये बुधवार को दुनियाभर में लगभग 300 एयरलाइनों के ''अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ'' (आईएटीए) ने विरोध का जोरदार समर्थन किया।

इस साल जी–7 की अध्यक्षता करेगा जापान दक्षिण कोरिया ऑस्ट्रेलिया और भारत को कर सकता है आमंत्रित

टोक्यो। जापान इस साल मई में आयोजित होने वाले जी–7 शिखर सम्मेलन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक–योल के साथ–साथ ऑस्ट्रेलिया और भारत के नेताओं को आमंत्रित कर सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दक्षिण कोरियाई ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय नेताओं को जापान द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया जा सकता है ताकि भागीदार देशों के सामंजस्य पर जोर दिया जा सके जो जी–7 के सदस्य देशों के साथ सामान्य मूल्यों को साझा करते है और 'मुक्त और खुले भारत–प्रशांत' की अवधारणा को लागू करते हैं। गौरतलब है कि जापान 2023 में जी–7 बहुपक्षीय मंच की अध्यक्षता करेगा। शीर्ष–स्तरीय जी–7 शिखर सम्मेलन का आयोजन 19 से 21 मई तक हिरोशिमा शहर में किया जाएगा। जापान के अर्थव्यवस्था व्यापार एवं उद्योग मंत्री यासुतोशी निशिमुरा ने कहा था कि आर्थिक दबाव का मुकाबला करने के प्रभावी उपाय इस साल के जी7 शिखर सम्मेलन के मुख्य विषयों में से एक होगा।

एयरलाइन में भर्ती प्रक्रिया महिला आवेदकों से ब्रा और अंडरवियर में आने को कहा गया

मैड्रिड। कुवैत की एयरलाइन में भर्ती प्रक्रिया को लेकर कुछ चौंकाने वाले दावे किए हैं। कहा जा रहा है कि एयरलाइन के इंटरव्यू में एयर होस्टेस की नौकरी के लिए आवेदन देने वाली महिलाओं को अपने कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया और उनके साथ कुत्तों जैसा व्यवहार किया गया। मैड्रिड के एयरपोर्ट के पास होटल में कुवैत एयरवेज के लिए इंटरव्यू के दौरान महिला आवेदकों से ब्रा और अंडरवियर में आने के लिए कहा गया। मीडिया के अनुसार एयरलाइन भर्ती एजेंसी के कुछ लोगों ने कुत्तों की तरह उनके दांत भी चेक किए। 23 साल की महिला आवेदक ने दावा किया है कि इंटरव्यू में एक महिला नोटपैड पर नोट्स ले रही थी। उसने अंडरवियर में उनका इंस्पेक्शन किया। इंस्पेक्शन के बाद उन लोगों को तत्काल रिजेक्ट कर दिया गया जिनका वजन ज्यादा था जिन्होंने चश्मे पहने थे या जिनके शरीर पर दिखने वाले निशान थे। एक महिला ने कहा कि उन्हें भर्ती नहीं किया जाएगा जिनके शरीर पर कोई निशान है। मारियाना ने कहा कि एक लड़की जो सात भाषाएं बोल सकती थी उस इसलिए रिजेक्ट कर दिया गया क्योंकि उसकी भौंह के ऊपर एक छोटा सा निशान था। उससे कहा गया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसे सात भाषाएं आती हैं। 23 साल की बियांका ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उससे पहले वाली महिला इंटरव्यू के बाद रोते हुए बाहर आई थी। जब उसकी बारी आई तब उससे उसकी ड्रेस ऊपर उठाने के लिए कहा गया। लेकिन इंटरव्यू लेने वाले और अधिक देखना चाहते थे। आखिरकार महिला को ब्रा और अंडरवियर में आना पड़ा। एक महिला ने मुझसे मुंह खोलने के लिए कहा और अंदर झांकने लगी जैसे मैं कोई कुत्ता हूं। उसने मेरे दांत देखने के लिए अपनी आंखें लगभग मेरे मुंह के भीतर घुसा दीं। मुझे बेहद अपमानित महसूस हुआ।

टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के लिए आदेश जारी करूंगा : टोनी एवर्स

वाशिंगटन। अमेरिका के विस्कॉन्सिन प्रांत के गवर्नर टोनी एवर्स ने कहा है कि वह राज्य सरकार की ओर से जारी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के लिए आदेश जारी करुंगा। एवर्स से पूछा गया कि क्या वह राज्य सरकार द्वारा जारी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाएंगे तब उन्होंने कहा मैं अगले सप्ताह की शुरुआत में उस पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी करूंगा। उन्होंने कहा कि 30 से कम सरकारी कर्मचारियों ने राज्य द्वारा जारी उपकरणों पर टिकटॉक सोशल मीडिया एप का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस और चीनी सरकार के बीच कथित संबंधों के लिए अमेरिका की संघीय सरकार की जांच के दायरे में है। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया कंसास लुइसियाना वेस्ट वर्जीनिया मोंटाना वर्जीनिया जॉर्जिया न्यू हैम्पशायर इडाहो नॉर्थ डकोटा आयोवा अलबामा यूटा टेनेसी ओक्लाहोमा टेक्सास साउथ कैरोलिना साउथ डकोटा नेब्रास्का और फ्लोरिडा जैसे अमेरिकी राज्य राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के कारण टिकटॉक को राज्य के स्वामित्व वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से प्रतिबंधित कर चुके हैं।

बम की धमकी के बाद जापान हवाईअड्डे पर आपात स्थिति में उतारा विमान

टोक्यो। जेटस्टार जापान कंपनी द्वारा संचालित एक घरेलू उड़ान को बम की धमकी के बाद शनिवार को केंद्रीय आइची प्रांत के एक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। यहां ?की एक स्थानीय समाचार एजेंसी ने बताया कि पुलिस और हवाईअड्डे के अधिकारियों के अनुसार विमान ने सुबह करीब 7.40 बजे चूबु संेट्रायर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आपात लैंडिंग की। इसमें कहा गया है कि विमान के आपात स्थिति में उतरने के बाद भागने के दौरान कुछ यात्रियों के घायल होने की खबर है। जांचकर्ताओं ने कहा कि सुबह 6 बजे के आसपास एक अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल आया जिसमें विमान में बम रखने का दावा किया गया लेकिन एनएचके के अनुसार सुबह 10 बजे तक कोई विस्फोटक या अन्य संदिग्ध सामान नहीं मिला। फ्लाइट ऑपरेटर ने कहा कि टोक्यो के पास नरीता हवाई अड्डे से फुकुओका के लिए जा रहे विमान में 136 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे।

पेरू में शीघ्र चुनाव और पेरू के अपदस्थ नेता पेड्रो कैस्टिलो की रिहाई की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियों ने लीमा के लिए जाने वाले एक राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

पुतिन की सेहत खराब रेस्टोरेंट संचालक येवगेनी बन सकते हैं रुस के नए बॉस

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले 10 माह से जंग चालू है। राष्ट्रपति पुतिन लगातार अपनी रणनीतियां में लगातार बदलाव कर रहे हैं। लेकिन इस बीच पुतिन अपनी सेहत को लेकर भी फिक्रमंद हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपनी खराब सेहत की वजह से सुर्खियों में हैं। इस बीच रूस में सत्ता परिवर्तन पर बड़ी खबर सामने आ रही है। पुतिन की जगह येवगेनी प्रिगोजिन रूस के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं। सूत्रों की माने तब सेहत खराब होने की वजह से पुतिन फैसला ले सकते हैं। शुरुआत में येवगेनी हॉट डॉग का स्टॉल लगाते थे। बाद में अमीर लोगों के लिए उन्होंने रेस्टोरेंट खोल दिया। इसके बाद देखते ही देखते जल्दी ये रेस्तरां संेट–पीटर्सबर्ग का फैशनेबल डाइनिंग सपोर्ट बन गया। कहां जाता है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन खुद वहां पर खाना खाने आते थे। वहीं से वह पुतिन के संपर्क में आ गए। पुतिन 2002 में अमेरिकी राष्ट्रपति को भी येवगेनी के रेस्तरां लेकर आए थे। पुतिन के संपर्क में आने के बाद येवगेनी को सेना की कैटरिंग के ठेके भी मिलने लगे। बताया जाता है कि येवगेनी उसकी प्राइवेट आर्मी वैगनर से जुड़े हुए हैं।

रूस–यूक्रेन युद्ध ने येवगेनी को मजबूत किया है। येवगेनी नेहरू सी रक्षा मंत्रालय की आलोचना की। येवगेनी की आलोचना पद्धति ने चुप्पी साध ली। येवगेनी छवि कट्टरपंथी नेता की है। पुतिन की निर्भरता इन दिनों येवगेनी पर बढ़ गई है। उनका वेगनर फोर्स काफी प्रभावी माना जाता है।

यूक्रेन में स्थायी शांति कायम करने को लेकर आया बाइडन प्रशासन का बयान

कहा-शांति बहाल करने के पक्ष में है भारत और अमेरिका

वाशिंगटन(एजेंसी)। । अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने कहा है कि भारत और अमेरिका इस बात से ''बहुत अधिक सहमत'' हैं कि यूक्रेन में स्थायी शांति की बहाली आवश्यक है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि उनका देश यूक्रेन संघर्ष पर भारत समेत अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ बहुत करीब से जुड़ा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसके लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर अडिग है।

उन्होंने शुक्रवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम भारत की इस बात से बहुत अधिक सहमत हैं कि यूक्रेन में स्थायी शांति की बहाली आवश्यक है। यही संदेश यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी दिया है। जी-20 समूह की बैठक के दौरान उन्होंने वहां मौजूद विश्व के

नेताओं से बात की और शांति को लेकर अपने विचार रखे। हम इसका स्वागत करते हैं।'' प्राइस ने कहा कि हम यूक्रेन के लोगों के लिए भारत के समर्थन का स्वागत करते हैं। भारत ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के क्रूर युद्ध को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया और उसे मानवीय सहायता भी प्रदान की। हम प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी के इस कथन से भी बहुत अधिक सहमत हैं कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। बेशक, यह एक ऐसी टिप्पणी थी जिसकी गूंज जी-20 में हुई। हमने वह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र में भी सुनी है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका का मानना है कि रूस और यूक्रेन के साथ संबंध रखने वाले भारत जैसे देश संबंधित पक्षों को बातचीत और कूटनीति की मेज पर लाने में मदद करने की स्थिति में हो सकते हैं जिससे एक दिन यह युद्ध समाप्त हो सकता है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बारे में एक सवाल के जवाब में प्राइस ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों और भागीदारों के निकट संपर्क में है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर इसमें भारत भी शामिल है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसके लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर अडिग है।

पुतिन के युद्धविराम को उनके ही सैनिकों ने दिखाया अंगूठा पूर्वी यूक्रेन पर की गोलाबारी

बखमुत (एजेंसी)। यूक्रेन-रूस के बीच चल रहे युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस पर 36 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की थी लेकिन उनके ही सैनिकों ने उसे नजरअंदाज कर दिया और शुक्रवार को पूर्वी यूक्रेन के युद्धग्रस्त शहरों में ताबड़तोड़ हमले किए। इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रपति पुतिन द्वारा घोषित संक्षिप्त युद्धविराम शुक्रवार को सुबह शुरू होना था।

यह फरवरी 2022 में मॉस्को के आक्रमण के बाद पहला पूर्ण युद्धविराम होना था लेकिन पत्रकारों ने पूर्वी यूक्रेन के सीमावर्ती शहर बखमुत में रूसी संघर्षविराम शुरू होने के समय के बाद गोलाबारी की आवाजें सुनीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति प्रशासन के उप प्रमुख कैरिलो टाइमोशेंको ने कहा कि रूसी सेना ने इस दौरान पूर्वी यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर क्रामटोरस्क पर भी हमला किया।

यूक्रेन ने यह भी आरोप लगाया है कि रूस समर्थिक विद्रोहियों ने नागरिक बस्तियों पर भी हमले किए हैं। कैरिलो टाइमोशेंको ने कहा कब्जाधारियों ने शहर पर दो बार रॉकेट दागे एक रिहायशी इमारत को भी निशाना बनाया गया लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। यूक्रेन की तरफ से कहा गया है कि ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस के दौरान युद्ध बंद करने का व्लादिमीर पुतिन का आदेश तब आया जब मास्को को युद्ध में सबसे बुरी तरह से जान गंवानी पड़ी और यूक्रेन के सहयोगियों ने कीव की सहायता के लिए बख्तरबंद वाहन और दूसरी पैट्रियाट वायु रक्षा बैटरी भेजने का संकल्प लिया।

अलास्का से तस्मानिया तक बिना रुके 11 दिन उड़ान भरकर गॉडविट पक्षी ने भरी 13560 किमी उड़ान तोड़ा रिकॉर्ड

सिडनी। एक पक्षी ने 11 दिनों तक बिना रुके बिना थके और बिना भोजन किए अलास्का से आस्ट्रेलिया के तस्मानिया तक 13560 किमी तक लगातार उड़ान भर कर नया विश्व रिकार्ड बनाया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार लंबी पूछ वाली पक्षी गॉडविट (लिमोसा लैपोनिका) जिसे इसके टैग नंबर 234684 से जाना जाता है ने भोजन या आराम के लिए रुके बिना अलास्का से ऑस्ट्रेलियाई राज्य तस्मानिया तक 13560 किमी की दूरी तय की है और एक पक्षी के सबसे लंबे समय तक बिना रुके उड़ने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस पक्षी की उड़ान का रिकॉर्ड रखने वाले संगठन ने कहा पक्षी द्वारा कवर की गई दूरी लंदन और न्यूयॉर्क के बीच ढाई यात्राओं के बराबर है जो ग्रह की पूरी परिधि का लगभग एक तिहाई है। पक्षी के निचले हिस्से से जुड़े 5त्र सैटेलाइट टैग के मुताबिकपक्षी की उड़ान 13 अक्टूबर 2022 को शुरू हुई थी जो 11 दिन और एक घंटे तक बिना रुके अपने गंतव्य तक पहुंची।

ब्रिटिश के प्रिंस हैरी का दावा– अफगानिस्तान में 25 लोगों को मारा तालिबान ने दावे को किया खारिज

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश के प्रिंस हैरी ने दावा किया है कि जिस समय वह अफगानिस्तान में तैनात थे उन्होंने 25 लोगों को मारा है। इस दावे से तालिबान बौखला गया है। हैरी ने दावा किया कि अब तालिबान उनके दावे को बकवास बताकर खारिज कर रहा है। ब्रिटिश मीडिया ने हैरी की ऑटोबायोग्राफी स्पेयर के हवाले से यह बात कही है जोकि 10 जनवरी को रिलीज हो रही है। हैरी जिन्हें ड्यूक ऑफ ससेक्स की उपाधि मिली हुई है उनकी पहली तैनाती अफगानिस्तान में 2007-2008 में हुई थी। उस समय वह यहां पर फॉरवर्ड एयर कंट्रोलर के तौर पर तैनात थे और हवाई हमलों पर नजर रख रहे थे। इसके बाद वह 2012-2013 में अटैक हेलीकॉप्?टर के पायलट के तौर पर तैनात रहे। 38 साल के हैरी की आत्मकथा स्पेयर 10 जनवरी को रिलीज हो रही है। इसमें उन्होंने खुलासा किया है कि अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान उन्होंने छह मिशन को लीड किया। जिस समय वह इन मिशन का नेतृत्व कर रहे थे उसी दौरान 25 लोगों की मौत हुई थी। मीडिया के अनुसार हैरी ने आत्मकथा के हवाले से लिखा है कि उन्हें न तो इस बात का कोई दुख था और न ही शर्म थी कि उनकी वजह से इतने लोगों की जान गई। हैरी ने यह दावा भी किया है कि टारगेट्स को निशाना बनाना बिल्कुल शतरंज मोहरों की मदद से चाल चलना था। हैरी ने लिखा है मेरा नंबर 25 है और यह संख्या मुझे आत्मविश्वास से भर देती है न कि इसकी वजह से मुझे शर्म महसूस होती है। प्रिंस हैरी की मानें तो उन्होंने जो कुछ भी किया वह पूरी तरह से सही था। उनका कहना है कि अफगानिस्तान से आए आतंकियों ने अमेरिका में 9/11 हमलों को अंजाम दिया और हजारों लोगों की जान ले ली।

हत्या के मामले में क्यों फंसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जाना पड़ेगा जेल?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कैपिटल हिल हिंसा का मामला अभी तक शांत नहीं हुआ है। अमेरिकी कैपिटल पुलिस अदिकारी की मौत को लेकर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फंसते नजर आ रहे हैं। पुलिस अधिकारी के परिवार ने ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। 6 जनवरी 2021 के दंगों के एक दिन बाद अमेरिकी पुलिस अधिकारी के परिवार ने 7 जनवरी को ट्रंप के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। अमेरिकी पुलिस अधिकारी की मौत को लेकर परिजनों ने आरोप लगाते हुए दावा किया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को उस दिन हिंसा के लिए उकसाया था।

पुलिस अधिकारी ब्रायन सिकनिक के परिवार की ओर से से ट्रम्प के खिलाफ वाशिंगटन में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मुकदमा दायर किया गया था। बताया गया कि 7 जनवरी को स्ट्रोक की वजह से 42 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। परिवार का आरोप है कि ट्रंप ने जानबूझकर भीड़ को उकसाया था और हमले का विरोध करने वालों पर अटैक करने के लिए भीड़ को गाइड किया था। मुकदमे में

आरोप लगाया गया है कि हिंसा की वजह से पुलिस अधिकारी को चोटें आई और उसकी जान चली गई। हालांकि एक चिकित्सा परीक्षक ने कहा कि यूएस कैपिटल पर हमले के दौरान सिकनिक को कोई चोट नहीं आई थी। सिकनिक की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई थी, लेकिन 6 जनवरी की हिंसक घटनाओं ने उनके हालाक के लिए एक भूमिका निभाई हो इस बात की संभावना थी।

बता दें कि साल 2021 में जनवरी में बाइडन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति बनाने की प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में डोनाल्ड ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल हिल पर हमला बोल दिया था। कई वैश्विक नेताओं ने इसे दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र के इतिहास में 'काला दिन' करार दिया था।

मुकेश अंबानी को पछाड़ने वाले जैक मा के हाथ से निकल गया कंपनी का कंट्रोल, चीन सरकार से पंगा पड़ा महंगा

बीजिंग (एजेंसी)। एक गरीब परिवार में जन्मे अलीबाबा के संस्थापक जैक मा बड़े होकर चीन के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक बन गए। लेकिन पिछले कुछ महीनों में उनके सितारे गर्दिश में ही चलते नजर आए। पहले तो अलीबाबा के संस्थापक के कुछ दिन पहले जापान के टोक्यो में परिवार के साथ होने की बात सामने आई थी। अब खबर है कि चीनी अरबपति जैक मा का देश के सबसे बड़े फिनटेक प्लेटफॉर्म एंट ग्रुप पर नियंत्रण नहीं रहेगा। एंट ग्रुप में वोटिंग स्ट्रक्चर में बदलाव का ऐलान किया है। बता दें कि इस ग्रुप को जैक मा ने ही खड़ा किया था और बुलंदियों पर पहुंचाया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार उनके वोटिंग राइट्स भी बेहद कम कर दिए गए हैं। कभी एंट ग्रुप में मा के पास 50 फीसदी वोटिंग राइट्स थे। लेकिन अब ये 6.2 फीसदी रह गए हैं। वहीं एंट्स में उनकी हिस्सेदारी महज 10 फीसदी रह गई।

क्यों लिया ये फैसला?

कहा जा रहा है कि जैक मा ने चीनी रेगुलेशन को खुश करने के लिए बड़ा बदलाव किया है। हालांकि आईपीओ लाने के लिए इसे और लंबे वक्त का इंतजार करना पड़ेगा। बता दें कि चीन के शेयर मार्केट में लिस्ट होने के लिए कंपनी के कंट्रोलर में पिछले तीन साल में कोई बदलाव नहीं होने जैसे नियम हैं। इसके अलावा शंघाई के स्टाक मार्केट में लिस्ट होने के लिए ये अवधि दो साल की है। जबकि हांगकांग के स्टाक मार्केट के लिए एक साल है।

थोड़ा बैकग्राउंड समझ लेते हैं

मार्च 2020 में मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए थे। लेकिन फिर अलीबाबा के संस्थापक द्वारा अक्टूबर 2020 में एक विवादास्पद भाषण देने के बाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा था कि चीन के सरकारी बैंकों की ÷पॉन शॉप मानसिकता÷ है। तब से, मा द्वारा स्थापित दो कंपनियों एंट ग्रुप और अलीबाबा ने नियामक बाधाओं का लगातार सामना किया। उन्होंने वैश्विक बैंकिंग नियमों को बुजुर्गों का क्लब करार दिया था। जैक मा के इस बयान के बाद चीन की कम्युनिस्ट पार्टी नाराज हो गई थी और चीन में इस आलोचना को क्मयुनिस्ट पार्टी पर हमले के रूप में लिया गया।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश सेक्सुअल असॉल्ट के पीड़ित को मुआवजा दे राज्य सरकारें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर दिल्ली यूपी सहित कई राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है जिसमें याचिकाकर्ता ने कहा है कि नालसा कंपेनसेशन स्कीम का सभी राज्य अनुपालन करें। स्कीम के तहत सेक्सुअल असॉल्ट के पीड़ित को मुआवजा देने की व्यवस्था है। नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी (नालसा) ने सेक्सुअल असॉल्ट पीड़ित को मुआवजा देने के लिए स्कीम बना रखी है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच के सामने सोशल एक्शन फोरम (एसएएफ) की ओर से अर्जी दाखिल कर कहा गया है कि सभी राज्यों को नालसा कंपेनसेशन स्कीम का अनुपालन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने कहा कि 2018 में नालसा कंपेनसेशन स्कीम फॉर वूमेन पीड़ित/सर्वाइवर्स ऑफ सेक्सुअल असॉल्ट क्राइम बनाया गया था इसके तहत मुआवजा देने की बात है। याचिकाकर्ता के वकील ज्योतिका कालरा की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि 21 सेक्सुअल अपराध की पीड़ित की लिस्ट है जो याचिका का हिस्सा हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि नालसा की इस लेकर स्कीम है जिसके तहत कहा गया है कि कंपेनसेशन क्या होगा और कितना होगा साथ ही यह भी कहा गया है कि न्यूनतम मुआवजा रकम पांच लाख होगा। याचिकाकर्ता ने कहा कि यूपी में अधिकतम मुआवजे की रकम तीन लाख ही है। साथ ही कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही नितिन सक्सेना मामले में कहा था कि स्कीम को सही भावना के साथ लागू किया जाए। याचिकाकर्ता ने कहा कि मामले में वह चार राज्यों को पक्षकार के तौर पर शामिल कर रही हैं इसमें यूपी दिल्ली मध्य प्रदेश और बिहार शामिल है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की बेंच ने मामले में नोटिस जारी कर कहा कि अभी वह इन्हीं राज्यों को नोटिस जारी करते हैं और बाद में इस विस्तार दिया जा सकता है।

भगवंत मान सरकार में बागवानी मंत्री फौजा सिंह ने दिया इस्तीफा

- जबरन वसूली का आरोप वायरल हुआ था ऑडियो क्लिप

चंडीगढ़। जबरन वसूली में ऑडियो क्लिप वायरल होने के महीनों बाद पंजाब के बागवानी मंत्री फौजा सिंह सरारी ने शनिवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। हालांकि इस्तीफे के पीछे उन्होंने निजी कारणों का हवाला दिया है। फौजा सिंह के इस्तीफे के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी सरकार ने मंत्रिमंडल विस्तार करने का फैसला किया। पंजाब के बागवानी मंत्री फौजा सिंह सरारी का ऑडियो क्लिप पिछले साल सितंबर माह में वायरल हुआ था। इस कथित तौर पर ठेकेदारों से जबरन वसूली को लेकर बात कर रहे थे। इस मसले पर भगवंत मान सरकार की काफी किरकिरी भी हुई थी। इस मामले में आम आदमी पार्टी ने कैबिनेट मंत्री फौजा सिंह सरारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर 28 दिन का वक्त भी दिया था लेकिन फौजा सिंह ने मामले में कोई जवाब नहीं दिया। ऐसे में संभावना जताई जा रही थी कि उनके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है।

कश्मीर में रोजगार मेलों के माध्यम से तेजी से दूर हो रही है बेरोजगारी की समस्या

जम्मू। केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन की ओर से लगातार रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है और युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भी तमाम तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। यही नहीं युवाओं के कौशल प्रशिक्षण का काम भी जम्मू-कश्मीर के बड़े शहरों से लेकर दूरदराज के क्षेत्रों में किया जा रहा है। इस कार्य में सेना और सुरक्षा बल भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। कश्मीर के युवाओं में व्याप्त बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए आयोजित किए जा रहे रोजगार मेलों की कड़ी में हालिया आयोजन श्रीनगर में किया गया जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं ने भाग लिया। इस रोजगार मेले में स्थानीय और बाहरी कंपनियों ने रोजगार के अवसरों की पेशकश की जिससे युवकों को बड़ा लाभ हुआ। रोजगार मेला के आयोजकों ने मीडिया को बताया कि बेरोजगार युवाओं को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी दिलाने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य यह रहता है कि कश्मीर के अधिक से अधिक युवाओं को नौकरियां मिलें और वह मुख्यधारा की कंपनियों में कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित हों। वहीं इस रोजगार मेले में आए प्रतिभागियों ने कहा कि ऐसे रोजगार मेले हमारे लिए ज्यादा लाभदायक होते हैं क्योंकि एक ही जगह विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के अवसर उपलब्ध होने से हम मनचाहे रोजगार को चुन सकते हैं। स्थानीय युवकों ने इस पहल के लिए प्रशासन को धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन दूरदराज के क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए ताकि वहां के लोगों को भी इसका लाभ मिल सके।

पवार ने राजनीति में उंगली पकड़कर आने वाली पीएम मोदी की टिप्पणी पर किया कटाक्ष कहा अब डराती है संसद

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने राजनीति में आने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने बयान पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि इससे उन्हें संसद में जाने से थोड़ा डर लगता है। शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र किए बिना यह टिप्पणी की। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे ने राकांपा प्रमुख के संरक्षण में राजनीति में ऊपर उठने की बात कही थी। पवार और शिंदे यहां पिंपरी में 18वें जगतिक मराठी सम्मेलन में बोल रहे थे। शरद पवार ने कहा सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि राजनीति के क्षेत्र में उनका पालन-पोषण मेरे संरक्षण में हुआ है। हाल ही में मैं ऐसे बयानों से बहुत डरा हुआ हूं क्योंकि किसी ने कहा था कि वह शरद पवार की उंगली पकड़कर राजनीति में आए हैं। तब से मुझे संसद जाने में भी थोड़ा डर लग रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में एक कार्यक्रम में शरद पवार की मौजूदगी में कहा था कि वह राजनीति में पवार की उंगली पकड़कर आए हैं।

महाकुंभ की तैयारियां शुरू उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम के बेड़े में शामिल की जाएंगी 5000 नई बसें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सन 2025 में प्रयागराज में गंगा यमुना और सरस्वती के पावन तट पर होने वाले दुनिया के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ को भव्य बनाने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस कड़ी में श्रद्धालुओं को आसान और आरामदायक यात्रा की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश राज?य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के बेड़े में पांच हजार नई बसें शामिल करने का फैसला लिया गया है। लखनऊ में शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान के अनुसार परिवहन निगम ने महाकुंभ से पहले 5000 नई बसें खरीदने की योजना बनाई है और इस कड़ी में मार्च 2023 तक विभाग 1575 बसों की खरीद करेगा। बयान में कहा गया है कि सन 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने वाला कुंभ मेला 2019 से ज्यादा भव्य होगा। मेले के क्षेत्रफल में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। यही नहीं इस बार कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 40 करोड़ के आसपास पहुंच सकती है। ऐसे में श्रद्धालुओं को आने-जाने में कोई परेशानी न हो इस बाबत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की ओर से तैयारियों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। यूपीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने बयान में कहा कि बसों की खरीद को लेकर विभाग ने जो लक्ष्य तय किया है उसके मुताबिक मार्च 2023 तक 1575 बसों की खरीद कर ली जाएगी। कुमार ने बताया कि इसके बाद अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के बीच यूपीएसआरटीसी अपने स्रोत और शासकीय सहयोग से दो हजार नई बसें खरीदेगा। वहीं अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 के बीच यानी महाकुंभ से पहले के आठ महीनों में बाकी 1500 बसों का भी क्रय कर लिया जाएगा। कुमार के मुताबिक नई बसें अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगी। इनमें सफर बेहद सुविधाजनक और आरामदेह होगा। 5000 बसों के क्रय के लिए सरकार को दो हजार करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। कुमार के अनुसार परिवहन निगम पुरानी और खस्ताहाल हो चुकी बसों को बेचने की योजना भी बना रहा है। उन्होंने कहा कि जो बसें खस्ताहाल हो चुकी हैं उन्हें योजनाबद्ध तरीके से सेवा से हटाया जा रहा है। रोडवेज के इस निर्णय से मुसाफिरों को आरामदायक सफर मिलेगा। साथ ही नई बसें होने से यात्री समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। मालूम हो कि यूपीएसआरटीसी के बेड़े में अभी 11200 बसें हैं।

झारखंड के सीएम तो आदिवासी हैं पर उनकी सरकार आदिवासी विरोधी: अमित शाह

चाईबासा (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को झारखंड के चाईबासा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि झारखंड के सीएम तो आदिवासी हैं पर उनकी सरकार आदिवासी विरोधी है। अमित शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन भाई ने भ्रष्टाचार बढ़ाया और आदिवासी जमीन घुसपैठियों को देने का काम किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जनजातीय महिलाओं की रक्षा करने के बजाय अपनी वोट बैंक की राजनीति करने का काम किया है। मुझे भरोसा है कि 2024 में बीजेपी बहुमत से जीतेगी। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि घुसपैठियों से आदिवासियों की रक्षा करने की जिम्मेदारी हेमंत सोरेन सरकार की है कि नहीं? हेमंत भाई अब सब आपको जान गए हैं अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए आदिवासियों की रक्षा और उनके भविष्य के साथ जो आप छेड़खानी कर रहे हैं इसके लिए यहां के लोग आपको माफ नहीं करेंगे। अपना हमला जारी रखते हुए भाजपा नेता ने कहा कि यहां युवाओं और माताओं-बहनों को धोखा देने का काम किया जा रहा है। खाद्यान्न रोजगार और शिक्षा के नाम पर धोखा दिया जा रहा है। अगर नौकरियां देने की हिम्मत नहीं है तो कुर्सी खाली कर दो। हम झारखंड में नौकरी देने का काम कर देंगे। उन्होंने कहा कि हमने शिक्षा रोड विद्युत हर क्षेत्र में काम किया था लेकिन हमारे बाद आई सरकार ने झारखंड को तबाह कर दिया। इस राज्य का मुख्यमंत्री तो आदिवासी है लेकिन सरकार आदिवासी विरोधी है। उन्होंने दावा किया कि आज झारखंड में आदिवासियों की जमीन हड़पने वाले सक्रिय हैं और हेमंत भाई अपनी किसी जिम्मेदारी को पूरा नहीं कर रहे हैं। शाह ने कहा कि अपनी वोटबैंक की राजनीति के लिए जो आप कर रहे हो उसके लिए आपको माफी नहीं मिलेगी।

अमित शाह ने कहा कि आज झारखंड में जनजातीय महिलाओं से जबरदस्ती शादी कर उनकी जमीन को हड़पा जा रहा है। हेमंत जी वोटबैंक का लालच जनजातीय हितों से ऊपर नहीं हो सकता। झारखंड की जनता जाग चुकी है और अब ये अन्याय नहीं सहा जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं आज झारखंड के लोगों को कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने वाले कुछ ही दिनों में नक्सलवाद खत्म होगा और झारखंड में विकास के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि हमने आदिवासी कल्याण के लिए बजट को 86 हजार करोड़ रुपए किया है और 1 करोड़ आदिवासी भाइयों के घर में पीने का पानी पहुंचाया है।

विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे विकासशील देशों की आवाज बनना भारत का कर्तव्य : जयशंकर

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले साल भारत द्वारा जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह देश का कर्तव्य है कि वह वैश्विक दक्षिण की आवाज बने। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि विकासशील दुनिया जो वर्तमान में कई चुनौतियों का सामना कर रही है नई दिल्ली को उच्च आशाओं के साथ देख रही है।

खाड़ी देश दिवस में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि यह दो मंदिरों के साथ चमत्कार से कुछ बड़ा है एक अबू धाबी में निर्माणाधीन है और दूसरा बहरीन में अपेक्षित है जब दो खाड़ी में लगातार चमत्कार हो रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि विकासशील देशों अथवा ग्लोबल साउथ की आवाज बनना भारत का कर्तव्य है। जयशंकर ने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा समय में विकासशील देश कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और वे बड़ी उम्मीदों के साथ भारत की ओर देख रहे हैं।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि भारत ग्लोबल साउथ के देशों को एक साथ लाने और विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से संबंधित उनकी सामान्य चिंताओं हितों और दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 12 और 13 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसके जरिए एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दरअसल ग्लोबल साउथ का इस्तेमाल एशिया अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के विकासशील देशों के लिए किया जाता है।

जयशंकर ने भारत की जी-20 समूह की अध्यक्षता को लेकर कहा मौजूदा समय में विकासशील देश तेल खाद्यान्न और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों से चिंतित हैं। वे बढ़ते कर्ज और बिगड़ती आर्थिक स्थिति को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि हम कूटनीतिक दृष्टि से ग्लोबल साउथ कहे जाने वाले ऐसे देशों की आवाज बनें। विदेश मंत्री बीएपीएस स्वामीनारायण संप्रदाय के प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी समारोह के एक कार्यक्रम को अहमदाबाद के बाहरी इलाके में स्थित प्रमुख स्वामी महाराज नगर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विकासशील देशों को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से काफी उम्मीदें हैं।

ठंड से ठिठुर रहा दिल्ली समेत पूरा उत्तर भारत, न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज, धूप के नहीं हो रहे दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सर्दी अपनी चरम सीमा पर पहुंच रही हैं। जहां 6 जनवरी को कानपुर से खबर आयी कि ज्यादा ठंड के कारण 25 लोगों की मौत हो गयी वहीं 7 जनवरी को दिल्ली में भी पारा लुढक गया। इस पूरे सीजन का सबसे सर्द दिन 7 जनवरी का रहा है। माना जा रहा है कि अभी ठंड और भी बढ़ सकती हैं। राष्ट्रीय राजधानी समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार 7 जनवरी से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी फिर शुरू होगी। इससे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में तापमान और गिर सकता है, जिससे ठंड बढ़ेगी।

दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से पांच डिग्री कम है और इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। घने कोहरे के कारण पालम में दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता 25 मीटर थी। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण 36 ट्रेन एक से सात घंटे की देरी से चल रही हैं। मौसम कार्यालय के अनुसार, दृश्यता जब शून्य और 50 मीटर के बीच रह जाती है तो उस समय 'बहुत घना' कोहरा होता है।

वहीं, 51 और 200 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'घना', 201 और 500 मीटर के बीच 'मध्यम' और 501 तथा 1,000 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'हल्का' कोहरा होता है। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। लोधी रोड, आयानगर और रिज मौसम केंद्रों में न्यूनतम तापमान क्रमशः दो डिग्री सेल्सियस, 3.4 डिग्री और 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। आईएमडी ने कहा कि सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 100 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में मुख्यतः आसमान साफ रहने, मध्यम से घने कोहरे और दिन में ठंड की स्थिति का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट ने समान कानून बनाने की मांग वाली याचिका पर कहा, क्या हम संसद को निर्देश दे सकते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न मुद्दों पर एक समान धर्म और लिंग-तटस्थ कानून बनाने के लिए सरकार को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सनवाई कर रही था। इसी दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता से यह सवाल किया कि क्या वह (न्यायालय) विधायिका को विवाह योग्य उम्र, तलाक, गोद लेने, उत्तराधिकार, विरासत और गुजारा भत्ता जैसे विषयों पर धर्म और लिंग-तटस्थ कानून बनाने का निर्देश दे सकता है। दरअसल, वकील अश्विनी उपाध्याय की ओर से विभिन्न मुद्दों पर एक समान धर्म और लिंग-तटस्थ कानून बनाने के लिए सरकार को निर्देश देने की मांग वाली याचिका दायर की गई थी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि पीठ ने कहा, यह विधायिका के अधिकारक्षेत्र में आता है। श्री उपाध्याय, कृपया इसका जवाब दें कि यह विधायी हस्तक्षेप से संबंधित है और इस पर कानून बनाना संसद का काम है। इसे एक प्रारंभिक मुद्दे के रूप में लें और हमें इसका जवाब दें। कोर्ट ने कहा कि क्या सुप्रीम कोर्ट संसद को समान नागरिक संहिता के लिए कानून बनाने का निर्देश दे सकता है? हम पहले इस मुद्दे की जांच करेंगे। वहीं, केंद्र की ओर से, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने जवाब दिया, ÷यह मूल रूप से एक कानून के अधिनियमन से संबंधित मामला है, जिसे संसद के विवेक पर छोड़ दिया जाना चाहिए।' याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने तलाक, गोद लेने, अभिरक्षा, उत्तराधिकार, विरासत, रखरखाव, विवाह की आयु और गुजारा भत्ता के लिए धर्म और लिंग-तटस्थ समान कानून बनाने का केंद्र को निर्देश देने को लेकर पांच अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। उपाध्याय ने अगस्त 2020 में संविधान और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की भावना को ध्यान में रखते हुए सभी नागरिकों के लिए तलाक के एक समान आधार की मांग करते हुए एक जनहित याचिका दायर की है।

अब राहुल गांधी को 'माफी मांगो यात्रा' भी निकालनी चाहिए : केशव प्रसाद मौर्य

बाराबंकी(उप्र) (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निशाना साधते हुए कहा कि अब राहुल गांधी को ''माफी मांगो यात्रा'' भी निकालनी चाहिए। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश में अब माफियागिरी करना, जमीनों पर कब्जा करना, कट्टा व बम बनाने की फैक्ट्री लगाने जैसा काम नहीं हो पा रहा है इसलिए वह (अखिलेश यादव) ''बिन पानी की मछली की तरह तड़पते दिखाई दे रहे हैं।'' केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को यहां जिले के दौरे पर विकासखंड हैदरगढ़ की ग्राम पंचायत सीधियांवा में आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इसके बाद मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर प्रहार किया और कहा कि अब राहुल गांधी को 'माफी मांगो यात्रा' भी निकालनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने इस बारे में अधिक विस्तार से कुछ नहीं कहा। उल्लेखनीय है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' उत्तर प्रदेश में तीन दिन तक जारी रही, जो मंगलवार दोपहर बाद गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर से उत्तर प्रदेश में दाखिल हुई थी।

यह यात्रा बागपत से शामली होते हुए बृहस्पतिवार को हरियाणा की ओर रवाना हो गई। वहीं, मौर्य ने ग्राम पंचायत सिधियांवा में आयोजित ग्राम चौपाल में शिरकत की और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। उन्?होंने यहां ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण भी किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''सपा, बसपा और कांग्रेस ने हमेशा गरीबों की बात की, लेकिन गरीबों के कल्याण के लिए कभी कोई काम नहीं किया। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर गरीब के लिए काम हो रहा है।

एक फरवरी को बजट पेश करेंगी निर्मला सीतारमण आयकर सीमा में की जा सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करेंगी। माना जा रहा है कि नौ साल बाद इनकम टैक्स को लेकर कुछ बड़ी घोषणा हो सकती है। इसकी वजह यह है कि यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी फुल बजट है। इस साल राजस्थान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों को अगले साल होने वाले आम चुनाव का सेमीफाइनल माना जाता है। इसलिए उम्मीद है कि सरकार इस बार बजट में इनकम टैक्स में मिडिल क्लास के लिए कुछ अहम घोषणा कर सकती है।

वित्त मंत्री बजट में टैक्सपेयर्स को खुशखबरी दे सकती हैं। अभी 2.5 लाख रुपये तक की सालाना आय पर इनकम टैक्स नहीं लगता है। अब इस सीमा को बढ़ाकर पांच लाख रुपए किया जा सकता है। साथ ही पांच से 10 लाख रुपये तक की सालाना इनकम वाले स्लैब में बड़ा बदलाव हो सकता है। फिलहाल इस स्लैब में आने वाले टैक्सपेयर्स पर 20 फीसदी टैक्स लगता है। सरकार 10 फीसदी का नया स्लैब जोड़ने का प्लान बना रही है। बजट में इसकी घोषणा हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो 10 लाख रुपए तक की सालाना इनकम वाले टैक्सपेयर्स को कम टैक्स देना होगा। फिलहाल 2.5 लाख रुपये तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं है। इस समय पुराने टैक्स सिस्टम में पांच टैक्स स्लैब हैं। इसमें 2।5 लाख रुपये तक की इनकम टैक्स फ्री है। वहीं 2.5 से पांच लाख तक की इनकम पर पांच फीसदी पांच से 10 लाख तक की इनकम पर 20 फीसदी टैक्स 10 से 20 लाख रुपये तक की इनकम पर 30 फीसदी और 20 लाख से ऊपर वाली इनकम पर 30 फीसदी टैक्स लगता है। नई व्यवस्था में 2.5 लाख से पांच लाख रुपये तक पांच फीसदी पांच से 7.5 लाख रुपये तक 10 फीसदी 7.5 लाख से 10 लाख रुपये तक 15 फीसदी 10 से 12.5 लाख रुपये तक 20 फीसदी 12.5 लाख से 15 लाख रुपये तक 25 फीसदी और 15 लाख रुपये से अधिक की सालाना इनकम पर 30 फीसदी टैक्स लगता है। इससे पहले अंतिम बार 2014 में पर्सनल टैक्स छूट की सीमा में बदलाव किया गया था। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इसे दो लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपए करने की घोषणा की थी। अब नौ साल बाद सरकार एक बार फिर टैक्सपेयर्स को राहत दे सकती है।

जल संरक्षण आधारित सम्मेलन से मिला पानी के लिए सहकारिता मॉडल, जल शक्ति मंत्री शेखावत ने दी जानकारी

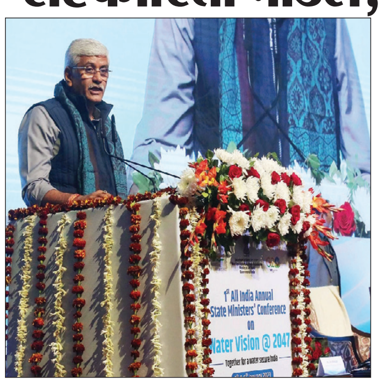

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को कहा कि 'वाटर विजन@2047' के लिए भोपाल में आयोजित जल-संरक्षण पर राज्यों के मंत्रियों के प्रथम अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन में देश को पानी के लिए सहकारिता का नया मॉडल मिला है।

उन्होंने बृहस्पतिवार से आयोजित इस सम्मेलन के समापन समारोह में यह बात कही। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित यह सम्मेलन पांच-छह जनवरी को भोपाल में हुआ। शेखावत ने कहा कि इस सम्मेलन से जो सार निकलेगा उसका सभी राज्यों को फायदा होगा। साथ ही दूसरे की अच्छी बातों को भी सभी राज्य आत्मसात करेंगे।

उन्होंने कहा कि आज औद्योगीकरण, शहरीकरण और आर्थिक गतिविधियों के साथ आबादी की अधिकता से पानी की उपलब्धता कम हो रही है। इसके लिए सभी राज्यों को सहकारिता आधारित व्यवस्था के साथ काम करना होगा। शेखावत ने कहा कि देश की जनता को स्वच्छ पानी मिले और हम यह व्यवस्थाएं आने वाली पीढ़ी को सौंप कर जाएं, यही हम सबकी जिम्मेदारी है। अब हमें भविष्य की आवश्यकता के अनुसार काम करना होगा। देश को भविष्य की जरूरत के अनुसार तैयार रहना होगा।

राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार के रूप में पेश करने के लिए निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा? जयराम रमेश ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की ओर से भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। फिलहाल कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा हरियाणा में है। कांग्रेस की इस भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कर रहे हैं। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को 2024 के लोकसभा चुनाव से जोड़कर भी देख रहे हैं। राहुल गांधी को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी हो रही है। सबसे ज्यादा इस बात की चर्चा हो रही है कि राहुल गांधी को पीएम पद के उम्मीदवार के तौर पर 2024 में प्रस्तुत करने के लिए कांग्रेस की ओर से भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। हालांकि, बार-बार कांग्रेस की ओर से इसे खारिज किया जाता रहा है। आज एक बार फिर से कांग्रेस ने इसे पूरी तरीके से खारिज कर दिया।

कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने के लिए यह कवायद नहीं है। पार्टी की ओर से मीडिया विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने इस सवाल के जवाब में कहा कि यह भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने के लिए नहीं है। यह एक वैचारिक यात्रा है, जिसका मुख्य चेहरा राहुल गांधी हैं। यह किसी एक व्यक्ति की यात्रा नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पदयात्रा चुनावी यात्रा नहीं है, जो वर्तमान में हरियाणा के करनाल से होकर गुजर रही है। उन्होंने कहा कि गांधी ने यात्रा में तीन बड़े मुद्दों को उठाया है, जिसमें आर्थिक असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक निरंकुशता शामिल है।

आपको बता दें कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से रवाना हुई थी। केरल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के रास्ते फिलहाल ये करनाल में है। महीने के आखिर में ऐसे जम्मू-कश्मीर पहुंचने की संभावना है। कांग्रेस का दावा है कि वह देश से नफरत के माहौल को खत्म करने के लिए यह यात्रा निकाल रही है। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' शनिवार सुबह हरियाणा में पानीपत से करनाल जिले में पहुंची और सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ पदयात्रा की। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यहां घरौंदा में कोहंद गांव से शुरू हुई यात्रा में भाग लिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

देशभर में सबसे ऊंचा प्रशासनिक भवन सूरत में होगा

स्टैंडिंग में मिली मंजूरी, गार्डन को पीपीपी मोड पर देने और नए रास्तों समेत दूसरे कामों को भी हरी झंडी

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. मनपा के नए मुख्यालय का अटका काम अब गति पकड़ेगा। स्थानीय निकायों की बिल्डिंगों में यह सबसे ऊंची बिल्डिंग होगी। स्थाई समिति की शनिवार को हुई बैठक में इसे हरी झंडी मिल गई। बैठक में शहर के गार्डनों को पीपीपी मोड पर देने के लिए पॉलिसी तय करने के साथ ही नए रास्तों को सीसी रोड में तब्दील करने समेत विकास के दूसरे कामों को भी मंजूरी दी गई। 105.3 मीटर ऊंची मनपा मुख्यालय की नई बिल्डिंग के निर्माण पर 1089 करोड़ रुपए खर्च होने हैं। मेंटिनेंस की लागत के साथ यह रकम 1342 करोड़ होगी। मनपा प्रशासन के बढ़ते कामकाज को देखते हुए मुगलीसरा की बिल्डिंग छोटी पड़ने लगी है। मनपा के कई विभागों को शहर के दूसरे क्षेत्रों

में संचालित किया जा रहा है। इससे समन्वय में अतिरिक्त समय खर्च होता और काम की गति बाधित होती है। लोगों को भी अपने काम के लिए अलग- अलग विभागों में जाने के लिए शहरभर में धक्के खाने पड़ते हैं। इसे देखते हुए मनपा प्रशासन बीते कई सालों से नए मुख्यालय के विकल्प पर काम कर रहा था। सबजेल शिफ्ट होने के बाद मनपा ने राज्यसरकार से रिंगरोर्ड स्थत सबजेल की जगह को मनपा मुख्यालय के लिए लिया था। इसकी एवज में मनपा ने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी जमीन राज्य सरकार को दी थी। उसके बाद से इसकी बिल्डिंग की डिजाइन पर कवायद शुरू हुई थी।शनिवार को हुई स्थाई समिति की बैठक में मनपा मुख्यालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके निर्माण पर 1089 करोड़ खर्च होंगे। 105.3 मीटर ऊंसा प्रशासनिक भवन ग्राउंड प्लस 27 मंजिला होगा। देशभर में किसी स्थानीय निकाय के भवनों में यह सबसे ऊंचा होगा। बैठक में इसके अलावा शहर के सभी गार्डन को पीपीपी मोड पर संचालित करने के लिए तैयार की गई पॉलिसी को भी मंजूरी दी गई। मनपा प्रशासन शहर में 19 रास्तों को सीसी रोड में बनाने जा रहा है। इसे भी बैठक में मंजूरी दी गई।

अधिकारियों को दिए बिल बनाने के अधिकार

बैठक में अधिकारियों को कुछ मामलों में फाइनल बिल बनाने का अधिकार दिया गया। बताया गया कि अब तक मनपा आयुक्त को ही फाइनल बिल बनाने का अधिकार था। इस वजह से ठेकेदारों को समय पर भुगतान में दिक्कत आती थी। इसे देखते हुए समिति ने विशेष मामलों में अधिकारियों को भी फाइनल बिल बनाने का अधिकार दिया है।

घर में पढ़ने आए बच्चे को ट्यूशन टीचर हवस का शिकार बनाया

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में शुक्रवार शाम दिल दहला देने वाली घटना हुई। यहां एक ट्यूशन क्लास टीचर के अपने एक नन्हें छात्र के दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। छात्र को बाथरूम में ले जाकर शिक्षक द्वारा किए गए गंदे काम की जानकारी मिलने के बाद हंगामा हो गया। डिंडोली पुलिस ने ट्यूशन टीचर के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है।

दस साल के मासूम बच्चे को बनाया हवस का शिकार

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूरत के डिंडोली इलाके में रहने वाले एक मजदूर परिवार के दो बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल नहीं जाते। लेकिन जब माता-पिता काम पर जाते थे तो मां दोनों बच्चों को पास के सिद्धि विनायक ट्यूशन क्लास में पढ़ने के लिए छोड़ जाती थी। इन दोनों भाइयों की उम्र एक 8 साल और दूसरे की 10 साल है। घटना वाले दिन इसी ट्यूशन क्लास में पढ़ाने वाले गणेश अहीर नाम के एक शिक्षक ने ट्यूशन के वॉशरूम में ले जाकर आठ साल के बच्चे के साथ आप्राकृतिक दुष्कर्म की हरकत को अंजाम दिया।

डिंडोली थाने में नवागाम डिंडोली के जय गायत्रीनगर निवासी गणेश मछिंदर अहिरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। गणेश अहीर के खिलाफ पीड़ित बच्चे के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध के कृत्य किए जाने की तहरीर दी गई।

छात्र ने माता को बताने के बाद हुआ खुलासा

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की शाम उसका बेटा रोज की तरह गणेश के घर ट्यूशन पढ़ने गया था। इसी दौरान शाम 4-30 से 6-00 बजे के बीच गणेश ने छात्र को अपनी हवस का शिकार बना लिया। जब छात्र ने घर पहुंच कर अपनी मां को सारी बात बताई तो वह सहम गई फिर अपने पति की मदद से आरोपी गणेश के खिलाफ शिकायत दर्ज करने पुलिस स्टेशन पहुंचे। डिंडोली पुलिस ने गणेश के खिलाफ प्रकृति के खिलाफ अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की।

ब्रेन डेड एम्ब्रोईडरी कारखानेदार के अंगदान से तीन लोगों को नया जीवन मिला

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

साल 2023 की शुरुआत में सूरत शहर से अंगदान किया गया है। लेउवा पटेल समाज के विपुलभाई लाभुभाई भिखड़िया उम्र 38 के परिवार ने ब्रेनडेड विपुलबाई के लिवर और चक्षुओं के अंगदान से तीन लोगों नवजीवन देकर मानवता की महक फैलाई। दिल और फेफडे खराब होने से उनका दान नहीं हो सका। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर अब देश में ऑर्गन डोनर सिटी के तौर पर मशहूर हो रहा है।

सिर दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया

विपुलभाई ई - 403, जलदर्शन अपार्टमेंट, कॉजवे रोड, सिंगनपुर गांव, सूरत में रहते हैं और कतारगाम में एक कढ़ाई (एम्ब्रोईडरी) इकाई के मालिक हैं। उन्हें 22 दिसंबर को कतारगाम के अनुभव अस्पताल में सिरदर्द और उल्टी के कारण भर्ती कराया गया था और दो दिनों के इलाज के बाद उनकी सेहत में सुधार होता दिख रहा था। उन्हें 24 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। घर आने के कुछ घंटों बाद, उन्हें दौरा पड़ा और आगे के इलाज के लिए उन्हें फिर से अनुभव अस्पताल में भर्ती कराया गया। 25 दिसंबर

को वीनस हॉस्पिटल के डॉ. राकेश कलथिया के युनिट में इलाज के लिए भर्ती किया। सीटी स्कैन किया तो दिमाग में नस फटी होने का पता चला। न्यूरोसर्जन डॉ. मेहुल बालधा ने 5 जनवरी को ब्रेन डेड घोषित किया।

परिवार अंगदान के लिए राजी हो गया

विपुलभाई के परिवार वालों ने बताया कि विपुलभाई की किडनी पिछले चार साल से खराब थी और उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत थी। हमने भी अंग विफलता के दर्द का अनुभव किया है। डोनेट लाइफ की ऑर्गन डोनेशन एक्टिविटी को हम सालों से सोशल मीडिया पर फॉलो कर रहे हैं और अक्सर अखबारों में भी डोनेट लाइफ की ऑर्गन डोनेशन एक्टिविटी की खबरें पढ़ते हैं। हम हमेशा सोचते थे कि यह मानव सेवा का नेक कार्य है। परिवार में पत्नी आशाबेन, 16 साल की बेटी निष्ठा 11वीं कक्षा में शारदा विद्यालय में पढ़ती है, 15 साल का बेटा धार्मिक 10वीं कक्षा में श्रीस्वामीनारायण गुरुकुल विद्यालय में पढ़ता है।

दिल और फेफड़े का दान नहीं किए जा सके

परिवार से अंग दान की सहमति मिलने के बाद जशलोक अस्पताल, मुंबई को हृदय, एमजीएम अस्पताल, चेन्नई को फेफड़े और आईकेडीआरसी अहमदाबाद को लीवर आवंटित किया। मुंबई और चेन्नई से चिकित्सकों की टीम दिल और फेफड़े का दान स्वीकार करने के लिए सूरत आई थी लेकिन दिल और फेफड़े खराब होने के कारण उनका दान स्वीकार नहीं किया जा सका। लिवर डोनेशन आईकेडीआरसी डॉ. सुरेश कुमार और उनकी टीम को दिया गया। लोकदृष्टि आई बैंक द्वारा नेत्रदान डॉ. प्रफुल्ल शिरोया ने स्वीकार किया। आईकेडीआरसी, अहमदाबाद में दान किए गए लिवर को एक जरूरतमंद मरीज में ट्रांसप्लांट किया गया है।

जुए के अड्डे पर छापेमारी का कवरेज करने गए मीडिया कर्मी को बना दिया आरोपी!

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. कवरजे करने गए मीडियाकर्मी को आरोपी बनाने के मामले में कोर्ट ने फिलहाल उसके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। पीड़ित की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने स्टेट मॉनिटरिंग सेल को नोटिस जारी किया है। याचिका के मुताबिक आरोपी जुए के अड्डे पर छापेमारी की कवरेज करने गया था। स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने 24 मई 2022 को लिंबायत थाना क्षेत्र में रतन चौक नवानगर के पास जुए के अड्डे पर छापा मारा था। छापे की जानकारी मिलने पर सचिन निवासी मीडियाकर्मी गिरधर चौधरी कवरेज के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने यहां से 26 जुआरियों को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि पुलिस ने कवरेज करने गए गिरधर चौधरी को भी आरोपी बना दिया। पुलिस ने 30 जनों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि पुलिस ने गिरधर को दो दिन थाने में बंदी बनाकर पिटाई भी की थी। पुलिस की इस कार्रवाई के खिलाफ मीडियाकर्मी ने अधिवक्ता अश्विन जोगड़िया और राजेन जाधव के जरिए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। उच्च न्यायालय ने फिलहाल मीडियाकर्मी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने के साथ ही स्टेट मॉनिटरिंग सेल को नोटिस जारी कर हाजिर रहने को को है।

वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए सचिन पुलिस ने लगाए सेफ्टी गार्ड

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

उत्तराण पर्व के गिनती के दिन शेष हैं। शहर में पतंग की डोर से लोगों के गला रेतने की घटनाएं सामने आ रही हैं तो शहर में ऐसी घटनाओं व सड़क हादसों को रोकने के लिए जिला यातायात शिक्षा एवं कल्याण सोसायटी ने वाहन चालकों को निःशुल्क सेफ्टी बेल्ट बांटे। इस कार्यक्रम में विधायक सहित पुलिस के उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

निःशुल्क सुरक्षा बेल्ट का वितरण उत्तरायण पर्व के गिनती के दिन शेष हैं तो वहीं पर्व के दौरान पतंग की डोर और वाहन चालकों के गले कट जाने से हादसे हो रहे हैं। उड़ान पर्व से पहले शहर में ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं और कुछ घटनाओं में लोगों ने अपने रिश्तेदारों को भी खोया है। इसके अलावा शहर में पतंग की डोर से दुर्घटना जैसी गंभीर घटनाएं भी होती रहती हैं।

शहर में इस तरह के हादसों को रोकने के लिए मोटर चालकों को पतंग की डोर से बचाने के लिए सूरक्षा बेल्ट बांधने की अपिल की जाती है। सूरत शहर में हर साल की तरह इस साल भी राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जिला यातायात शिक्षा एवं कल्याण सोसायटी द्वारा निःशुल्क सुरक्षा बेल्ट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज से उत्तरायण पर्व तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क सुरक्षा पेटी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

चाइनीज डोर का इस्तेमाल नहीं करने की अपील

अठवागेट में आयोजित कार्यक्रम में विधायक पूर्णेश मोदी, नगर पुलिस के उच्चाधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विधायक एवं पुलिस के उच्चाधिकारियों ने वाहन चालकों को रोक कर उन्हें सेफ्टी बेल्ट बांटे। उत्तरायण पर्व के दौरान पूरी तरह से सतर्कता बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। पुलिस ने सभी वाहन चालकों और लोगों से चाइनीज डोरियों सहित अन्य चीजों के इस्तेमाल से बचने की भी अपील की।

टेक्सटाईल मार्केट के लिए नया पुलिस थाना स्वीकृत : गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

चेम्बर ऑफ कोमर्स द्वारा कपड़ा उद्योग से संबंधित सीटेक्स-2023 प्रदर्शनी के उद्घाटन प्रसंग के दौरान राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने टेक्सटाईल पुलिस स्टेशन का आगामी बजट में समावेश करने की बात कही। सूरत के कपड़ा व्यापारियों को जालसाजी और ठगी करनेवालों के खिलाफ कड़ी और तेज कार्यवाही करने के लिए टेक्सटाईल मार्केट के लिए नया पुलिस स्टेशन को स्वीकृत किया गया है।

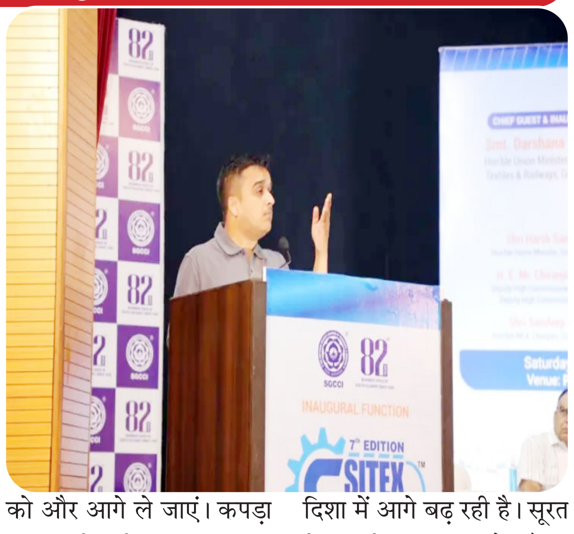

सीटेक्स-2023 प्रदर्शनी के अवसर पर मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि सूरत पूरी दुनिया में कपड़ा और हीरा उद्योग के लिए जाना जाता है। उन्होंने चैंबर्स के उद्योगपतियों से अनुरोध किया कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों का आयोजन कर सूरत के कपड़ा उद्योग को और आगे ले जाएं। कपड़ा व्यापारियों को गुजरात राज्य की खेल नीति के तहत खेल परिधानों के लिए एक नया मंच मिलेगा।

एक साल में ठगी करनेवालों से 40 करोड की रकम वापस कराई

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि व्यवसायियों को आपराधिक जालसाजी बताकर ठगी करने वालों के खिलाफ सरकार तेजी से कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ रही है। सूरत में पिछले एक साल के दौरान व्यापारियों से ठगी करने वालों से 40 करोड़ की रकम वापस करने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि अगले बजट में सूरत कपड़ा बाजार के लिए एक नया थाना भी स्वीकृत किया गया है, उन्होंने विवरण दिया कि इसमें 75 पुलिस कर्मचारियों को भी आवंटित किया जाएगा।

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित 'सीटेक्स-2023' प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सरसाना स्थित सूरत इंटरनेशनल एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में 7वीं 'सीटेक्स-सूरत इंटरनेशनल टेक्सटाइल एक्सपो- 2023' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। केन्द्रीय कपड़ा एवं रेलवे राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश तथा गुजरात राज्य के उद्योग, नागरिक उड्डयन तथा श्रम

एवं रोजगार मंत्री बलवंत सिंह राजपूत एवं गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी विशेष रूप से उपस्थित थे।